मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 8 अंक 256
शनिवार, 04 अप्रैल 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

एनडीए सरकार हर एक घुसपैठिए को जड़ से उखाड़ फेंकने के अपने प्रयासों को जारी रखेगी: अमित शाह

असम, 03 अप्रैल। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि उसकी सरकार ने असम को घुसपैठियों के हाथों में सौंप दिया है। कामपुर और पलाशबारी में जनसभाओं को संबोधित करते हुए शाह ने दावा किया कि घुसपैठिए गरीबों की जमीन हड़प रहे हैं, काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान सहित वन क्षेत्रों पर अतिक्रमण कर रहे हैं और स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसरों से वंचित कर रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि पिछले दस वर्षों में भाजपा सरकार ने असम भर में कथित अतिक्रमण से लगभग 1.5 लाख एकड़ जमीन मुक्त कराई है।

शाह ने मतदाताओं से भाजपा को फिर से चुनने का आग्रह करते हुए कहा कि नया जनादेश सरकार को पूरे असम को घुसपैठियों से मुक्त कराने में सक्षम बनाएगा। हिमंता बिस्वा सरमा का समर्थन करते हुए शाह ने मतदाताओं से उन्हें फिर से सत्ता में लाने की अपील की और वादा किया कि सरकार हर एक घुसपैठिए को जड़ से उखाड़ फेंकने के अपने प्रयासों को जारी रखेगी। अपने रुख को दोहराते हुए शाह ने कहा कि घुसपैठ गरीबों के अधिकारों को बुरी तरह प्रभावित कर रही है और राज्य के युवाओं के लिए अवसरों को सीमित कर रही है।

लपाड़ा जिले के दुधनोई में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि कांग्रेस ने कभी किसी आदिवासी महिला को राष्ट्रपति नहीं बनाया, लेकिन मोदी ने इसे बदल दिया और द्रौपदी मुर्मू भारत की राष्ट्रपति बनीं। उन्होंने कहा कि

केंद्र में प्रधानमंत्री हैं और यहां असम में मुख्यमंत्री हैं-दोनों के पास राज्य में आदिवासियों के विकास के लिए एक रोडमैप है। अगर लोग भाजपा को लगातार तीसरी बार जनादेश देते हैं, तो इसे (रोडमैप) आगे बढ़ाया जाएगा। शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने कभी आदिवासी कल्याण की बात नहीं की। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद से कांग्रेस की सरकारों ने आदिवासियों के विकास पर केवल 25,000 करोड़ रुपये खर्च किए, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले 11 वर्षों में उनके लिए 1.38 लाख करोड़ रुपये दिए। गृह मंत्री ने ग्वालपाड़ा को मिनी असम करार दिया, क्योंकि वहां राभा, बोडो, हाजोंग और कोच सहित कई जनजातियों के लोगों के अलावा आदिवासी चाय बागान श्रमिक रहते हैं। उन्होंने दावा किया कि केवल भाजपा ही इन लोगों का विकास सुनिश्चित कर सकती है।

शाह ने कहा कि आदिवासी क्षेत्र समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के दायरे में नहीं आएंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आदिवासियों को डराने के लिए अफवाहें फैला रही है कि वे यूसीसी से प्रभावित होंगे, लेकिन यह बिल्कुल झूठ है और कोई भी आदिवासी इसके दायरे में नहीं आएगा। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री ही वह व्यक्ति हैं, जिन्होंने आदिवासियों की कला, संस्कृति, भोजन, वस्त्र, संगीत और नृत्य को वैश्विक मंच पर पहुंचाया। उन्होंने कहा कि हर आदिवासी परिवार को एक गाय और एक भैंस दी जाएगी। मैं सहकारिता मंत्री के रूप में इसे सुनिश्चित करूंगा।

केरल के मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन ने रेवंत रेड्डी पर निशाना साधा

केरल, 03 अप्रैल। केरल के मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन ने शुक्रवार को रेवंत रेड्डी की केरल के खिलाफ हालिया अपमानजनक टिप्पणियों का करारा जवाब देते हुए उन्हें पूरी तरह निराधार बताया और सुझाव दिया कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री को केरल को उपदेश देने के बजाय अपने राज्य में गरीबी और साक्षरता की कमी पर ध्यान देना चाहिए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स और फेसबुक पर विजयन ने कहा कि यह विडंबना है कि एक नेता जो गरीबों के घरों पर बुलडोजर चलाता है वह केरल की सामाजिक प्रगति पर सवाल उठा रहा है। विजयन ने कहा कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री श्री रेवंत रेड्डी की केरल के बारे में हालिया अपमानजनक टिप्पणियां पूरी तरह निराधार हैं। यह विडंबना है कि जो व्यक्ति अपने ही राज्य में गरीबों के घरों पर बुलडोजर चलाता है, वह केरल को सामाजिक प्रगति का उपदेश देने की कोशिश कर रहा है। वह हमारे सतत और समावेशी विकास मॉडल को नष्ट करने की कोशिश करने वालों का मुखपत्र बन गए हैं।

रेड्डी के भ्रष्टाचार और कुशासन के आरोपों का जवाब देते हुए, केरल के मुख्यमंत्री विजयन ने दोनों राज्यों के बीच असमानता को उजागर करने के लिए नीति आयोग के आधिकारिक आंकड़ों का हवाला दिया।

केरल में 'भ्रष्टाचार और कुशासन' का आरोप लगाने से पहले, उन्हें आधिकारिक आंकड़ों की जांच करनी चाहिए। क्या उन्होंने यह नहीं देखा कि केरल भारत का सबसे कम भ्रष्ट राज्य है? नीति आयोग के सतत विकास सूचकांक (2023-24) में, केरल 79 अंकों के साथ पहले स्थान पर है, जबकि तेलंगाना छठे स्थान पर है। अपने राज्य की कमियों को छिपाने के लिए केरल का उपहास करना बेहद निंदनीय है, विजयन ने कहा। नीति आयोग के अनुसार, केरल की गरीबी दर मात्र 0.55% है, जो भारत में सबसे कम है। 2025 के अंत तक, केरल देश का पहला राज्य बनने जा रहा है जो अत्यधिक गरीबी को पूरी तरह से समाप्त कर देगा। वहीं, तेलंगाना की गरीबी दर 5.88% है। क्या वहां की सरकार ने अपने सबसे गरीब लोगों के उत्थान के लिए कोई कदम नहीं उठाया है? विजयन ने आगे कहा केरल की साक्षरता दर 95.3% है, जबकि तेलंगाना अभी भी 76.9% पर पिछड़ रहा है। केरल के मुख्यमंत्री ने तेलंगाना सरकार द्वारा केरल में राजनीतिक विज्ञापनों पर किए जा रहे खर्च पर भी सवाल उठाया और दोनों राज्यों के स्वास्थ्य ढांचे, विशेष रूप से शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) की तुलना की।

भीषण सड़क हादसा: आमने सामने टकराए दो डंपर, जिंदा जल गए दोनों ड्राइवर

फिरोजाबाद, 03 अप्रैल। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद के थाना रजावली क्षेत्र में फिरोजाबाद-एटा मार्ग पर शुक्रवार दोपहर इसौली चौराहे के पास दो ट्रक (दोनों डंपर) में आमने-सामने की टक्कर के बाद आग लग गई जिससे दोनों चालकों की जलकर मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी और बताया कि दुर्घटना में दो अन्य लोग भी घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल भेजा गया है। टुंडला के पुलिस क्षेत्राधिकार (सीओ) अरुण चौरसिया ने बताया कि यह दुर्घटना दोपहर लगभग तीन बजे टूंडला-एटा मार्ग पर इमलिया डेरी के पास हुई।

पुलिस ने बताया कि एक ट्रक टूंडला से एटा की ओर जा रहा था, जबकि दूसरा ट्रक एटा से टूंडला की तरफ आ रहा था। इसी दौरान दोनों में हुई आमने-सामने की टक्कर इतनी

भीषण थी कि दोनों ट्रकों में तुरंत आग लग गई और वे जलने लगे। दोनों मृत चालकों की पहचान सुरेश (34) निवासी मऊआखेड़ा, मुरैना, मध्य प्रदेश और भरत लाल (38), निवासी धौलपुर, राजस्थान के रूप में हुई है।

एक ट्रक के खलासी धीरज निवासी धौलपुर को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। एक अन्य घायल व्यक्ति को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। दुर्घटना की सूचना मिलते ही थाना रजावली, सकरौली और पचोखरा की पुलिस मौके पर पहुंची।

दमकल विभाग की दो गाड़ियों ने आग बुझाने का काम किया। इस हादसे के कारण एटा-टूंडला मार्ग पर यातायात बाधित हो गया। पुलिस ने वाहनों को इसौली चौराहे से मोड़कर स्थिति को संभाला। बाद में क्षतिग्रस्त ट्रकों को सड़क से हटाया गया। पुलिस के अनुसार दोनों मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि टक्कर के तुरंत बाद ही दोनों ट्रक में आग लग गई। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है।

मालदा हिंसा पर सुप्रीम कोर्ट के सख्त आदेश के बाद एनआईए की एंट्री, ग्राउंड जीरो पर जांच शुरू

नई दिल्ली, 03 अप्रैल। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की एक टीम शुक्रवार को मालदा स्थित ब्लॉक विकास अधिकारी (बीडीओ) के कार्यालय पहुंची। यह टीम हाल ही में हुई घटना के संबंध में जांच कर रही है, जिसमें 1 अप्रैल को हजारों लोगों ने कालियाचक-क्क बीडीओ के दोनों गेटों को अवरुद्ध कर दिया था और सात न्यायिक अधिकारियों सहित कर्मचारियों को घंटों तक ₹बंधक₹ बनाकर रखा था। उन्हें आधी रात के बाद छुड़ाया गया। इससे पहले दिन में, आतंकवाद विरोधी एजेंसी ने गुरुवार देर रात प्रारंभिक जांच शुरू की, जब भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने औपचारिक रूप से अपने महानिदेशक को पत्र भेजकर मामले को इस ओर संदर्भित किया।

ईसीआई का एनआईए को यह निर्देश गुरुवार को जारी सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद आया, जिसमें चुनाव आयोग को ₹किसी केंद्रीय एजेंसी, सीबीआई या एनआईए₹ द्वारा घटना की जांच करने का निर्देश दिया गया था। न्यायालय ने हमले को न्यायिक अधिकारियों का मनोबल गिराने और उन्हें अपना कर्तव्य निभाने से रोकने का जानबूझकर और सोची-समझी कोशिश बताया था। सर्वोच्च न्यायालय ने यह भी स्पष्ट रूप से कहा था कि इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है और ईसीआई को राज्य में अधिकारियों और उनके परिवारों की सुरक्षा के लिए केंद्रीय बलों की तैनाती की मांग करने का निर्देश दिया था। आज किसी भी समय एनआईए की एक टीम के मालदा पहुंचने की उम्मीद है। हालांकि एजेंसी ने इस बारे में चुप्पी साध रखी है, सूत्रों ने संकेत दिया है कि एनआईए की एक टीम गुरुवार सुबह ही कोलकाता स्थित अपने कार्यालय से घटनास्थल के लिए रवाना हो चुकी है। टीम सबसे पहले संबंधित पुलिस स्टेशन का दौरा करेगी और पुलिस से घटना से संबंधित सभी उपलब्ध जानकारी जुटाएगी। पुलिस वर्तमान में इस मामले की पैरवी कर रही है और उसने अब तक इस घटना से जुड़े 20 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें मोथाबारी इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) के उम्मीदवार मौलाना शाहजहाँ अली और कथित मास्टरमाइंड एडवोकेट मोफक्करुल इस्लाम शामिल हैं। सभी आरोपियों को हिंसा, आगजनी और कालियाचक-क्क ब्लॉक कार्यालय में सात न्यायिक अधिकारियों, जिनमें तीन महिलाएं भी शामिल थीं, के आठ घंटे के घेराव के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। 19 आरोपियों में से पुलिस ने शाहजहाँ अली सहित 18 को गुरुवार को गिरफ्तार किया था और अदालत ने उन्हें 10 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया था। मोफक्करुल इस्लाम पश्चिम बंगाल सीआईडी द्वारा गिरफ्तार किया गया 19वां आरोपी है। उसे बागडोगरा हवाई अड्डे पर भागने की कोशिश करते समय गिरफ्तार किया गया था। सूत्रों के अनुसार, जांच एक विशेष टीम द्वारा की जाएगी, जिसका नेतृत्व एक उप महानिरीक्षक (डीआईजी) रैंक का अधिकारी करेगा और यह जांच एक महानिरीक्षक रैंक के अधिकारी की देखरेख में होगी।

असम से एक-एक घुसपैठिए को बाहर निकालेगी एनडीए सरकार: योगी आदित्यनाथ

बारपेटा, 03 अप्रैल। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 3 अप्रैल को असम के बारपेटा में विधानसभा चुनावों से पहले एक जनसभा को संबोधित किया, जिसमें उन्होंने भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार और कांग्रेस के बीच तीखा अंतर दिखाया। रैली को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि एनडीए सरकार ने सुरक्षा और सुशासन सुनिश्चित करते हुए भारत की संस्कृति, परंपराओं और विरासत को मजबूत करने के लिए काम किया है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार गांवों, गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं सहित समाज के हर वर्ग को बिना किसी भेदभाव के विकास के लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

दोहरे इंजन वाली सरकारह्व के प्रभाव को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि एनडीए ने एक दशक के भीतर असम को बदलने की अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है और इसे राज्य के लिए पुनर्जागरण का दौर बताया। असम गण परिषद (अगप) उम्मीदवार दीपक कुमार दास के समर्थन में बारपेटा में एक रैली को संबोधित करते हुए, आदित्यनाथ ने आरोप लगाया कि कांग्रेस अपने लंबे शासनकाल के दौरान राज्य और उसके लोगों की रक्षा करने में विफल रही।

असम की सत्ता की चाबी एआईयूडीएफ प्रमुख बदरुद्दीन अजमल के हाथ: ओवैसी

असम। एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने दावा किया कि असम में आगामी विधानसभा चुनावों में मुस्लिम मतदाता एकजुट होकर अखिल भारतीय संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (एआईयूडीएफ) के पक्ष में मतदान करेंगे। ये चुनाव 9 अप्रैल को होने वाले हैं। बिन्नाकंडी निर्वाचन क्षेत्र में एक रैली को संबोधित करते हुए, ओवैसी ने एआईयूडीएफ प्रमुख बदरुद्दीन अजमल और उनकी पार्टी के उम्मीदवारों के लिए प्रचार किया और क्षेत्रीय पार्टी को राज्य के राजनीतिक परिदृश्य में एक निर्णायक शक्ति के रूप में प्रस्तुत किया।ओवैसी ने कहा कि मुसलमान एकजुट होकर मतदान करेंगे और बदरुद्दीन अजमल के 29 उम्मीदवार जीतेंगे।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए
सम्पर्क करे: 9199355950

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

पश्चिम बंगाल बढ़ती अराजकताः लोकतंत्र के लिए चुनौती

-ललित गर्ग

पश्चिम बंगाल, जो कभी सांस्कृतिक चेतना, बौद्धिकता और राजनीतिक परिपक्वता का प्रतीक माना जाता था, आज एक ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रहा है, जहां लोकतांत्रिक मूल्यों की जड़ें लगातार कमजोर होती प्रतीत हो रही हैं। जैसे-जैसे चुनाव का समय नजदीक आता जा रहा है, वैसे-वैसे राज्य में हिंसा, अराजकता अलोकतांत्रिकता और राजनीतिक असहिष्णुता की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। यह केवल राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का परिणाम नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति घटते सम्मान और कानून व्यवस्था की गिरती स्थिति का भी द्योतक है। हाल ही में मालदा जिले में मतदाता सूची पुनरीक्षण अर्थात एसआईआर को लेकर जिस प्रकार का असंतोष और तनाव देखने को मिला, वह भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति अविश्वास को दर्शाता है। मतदाता सूची में नाम जुड़ना या हटना एक कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रिया है, जिसके लिए स्पष्ट नियम और प्रावधान होते हैं। यदि इस प्रक्रिया को राजनीतिक चश्मे से देखा जाएगा या प्रशासनिक अधिकारियों पर दबाव बनाया जाएगा, तो निष्पक्ष चुनाव की पूरी प्रक्रिया ही संदिग्ध हो जाएगी। एसआईआर प्रक्रिया में बाधक बनते हुए जिस तरह से न्यायिक अधिकारियों को नौ घंटे तक बंधक बनाए जाने की घटना सामने आयी है, वह न केवल चिंताजनक है बल्कि लोकतंत्र के लिये एक गंभीर चेतावनी भी है। यह उस व्यापक घातक एवं विडम्बनापूर्ण प्रवृत्ति का हिस्सा है, जिसमें प्रशासनिक और न्यायिक तंत्र को भी राजनीतिक दबाव और भीड़तंत्र के आगे झुकने के लिए मजबूर किया जा रहा है। विशेष रूप से यह तथ्य कि बंधक बनाए गए अधिकारियों में महिलाएं भी शामिल थीं, इस घटना को और अधिक गंभीर बना देता है। यह न केवल कानून के शासन पर प्रश्नचिह्न लगाता है, बल्कि समाज में बढ़ती असंवेदनशीलता को भी उजागर करता है।

पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा का इतिहास नया नहीं है। 1960 और 70 के दशक में नक्सल आंदोलन के दौरान हिंसा का जो दौर शुरू हुआ था, उसने राज्य की राजनीतिक संस्कृति को गहराई से प्रभावित किया। इसके बाद वामपंथी शासन के लंबे कालखंड में भी राजनीतिक विरोधियों के प्रति असहिष्णुता और हिंसा की घटनाएं समय-समय पर सामने आती रहीं। सत्ता परिवर्तन के बाद तृणमूल कांग्रेस एवं ममता बनर्जी के शासन में यह प्रवृत्ति समाप्त नहीं हुई, बल्कि नए स्वरूप में सामने आई। यह स्पष्ट संकेत है कि समस्या केवल किसी एक दल या विचारधारा की नहीं, बल्कि पूरे राजनीतिक तंत्र में व्याप्त एक गहरे संकट की है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में, चुनावों के निकट आते ही जिस प्रकार की घटनाएं सामने आ रही हैं, वे लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरे का संकेत देती हैं। मतदाता सूची के पुनरीक्षण जैसे संवेदनशील कार्य में लगे अधिकारियों को बंधक बनाना यह दर्शाता है कि कुछ तत्व चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। यह केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि मतदाता की स्वतंत्रता और निष्पक्ष चुनाव के अधिकार पर सीधा हमला है।

इस संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट की सक्रियता उल्लेखनीय है। समय-समय पर न्यायालय ने राज्य सरकार को कड़े निर्देश दिए हैं और कानून व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी की याद दिलाई है। किंतु यह अपने आप में चिंताजनक तथ्य है कि इन निर्देशों का जमीनी स्तर पर अपेक्षित प्रभाव नहीं दिखाई देता। इससे यह प्रश्न उठता है कि क्या राज्य प्रशासन एवं सत्तारूढ़ पार्टी इन निर्देशों को लागू करने में अक्षम है या इच्छुक नहीं है? यदि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश भी प्रभावी नहीं हो पा रहे हैं, तो यह लोकतंत्र के लिए एक गंभीर चेतावनी है। चुनाव के समय बढ़ती अराजकता के पीछे राजनीतिक बौखलाहट भी एक महत्वपूर्ण कारण हो सकती है। जब किसी दल को अपनी लोकप्रियता में गिरावट का भय होता है, तो वह अक्सर लोकतांत्रिक मर्यादाओं को दरकिनार कर असंवैधानिक उपायों का सहारा लेने लगता है। पश्चिम बंगाल में भी कुछ ऐसी ही प्रवृत्तियां देखने को मिल रही हैं, जहां सत्तारूढ़ दल के कार्यकर्ताओं पर विपक्ष को डराने, प्रशासनिक कार्यों में बाधा डालने और चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने के आरोप लगते रहे हैं। यदि इन आरोपों में सच्चाई है, तो यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है और लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों के विपरीत है।

नागरिक समाज सक्रिय रूप से लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए आगे नहीं आएगा, तब तक केवल प्रशासनिक उपायों से इस समस्या का समाधान संभव नहीं है। लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह एक सतत प्रक्रिया है जिसमें कानून का शासन, संस्थाओं की स्वतंत्रता और नागरिकों की भागीदारी महत्वपूर्ण होती है। पश्चिम बंगाल की वर्तमान स्थिति इन सभी पहलुओं पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। यदि चुनाव प्रक्रिया ही निष्पक्ष और शांतिपूर्ण नहीं रह जाती, तो लोकतंत्र का मूल उद्देश्य ही समाप्त हो जाता है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति मतदाता का विश्वास होता है, और यदि मतदाता को यह लगने लगे कि मतदाता सूची, चुनाव प्रक्रिया या प्रशासन किसी राजनीतिक दबाव में काम कर रहा है, तो लोकतंत्र की विश्वसनीयता स्वतः कमजोर होने लगती है। इस पूरे घटनाक्रम में प्रशासनिक नाकामी का प्रश्न भी गंभीरता से सामने आता है। किसी भी राज्य में यदि अधिकारी सुरक्षित नहीं हैं, न्यायिक अधिकारी तक बंधक बना लिए जाते हैं और पुलिस या प्रशासन समय पर प्रभावी कार्रवाई नहीं कर पाता, तो यह प्रशासनिक तंत्र की कमजोरी का स्पष्ट प्रमाण है। प्रशासन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी कानून व्यवस्था बनाए रखना और सरकारी कार्यों को निर्भय वातावरण में संपन्न कराना होता है। यदि प्रशासन यह सुनिश्चित नहीं कर पा रहा है, तो इससे जनता में भय और अविश्वास दोनों बढ़ते हैं। जनता का विश्वास ही किसी सरकार की सबसे बड़ी पूंजी होता है, और जब यही विश्वास डगमगाने लगता है, तो शासन की वैधता पर भी प्रश्नचिह्न लगने लगते हैं।

राजनीतिक दलों की भूमिका भी इस पूरे परिदृश्य में अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। लोकतंत्र में राजनीतिक दल केवल सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं होते, बल्कि वे लोकतांत्रिक मूल्यों के संवाहक भी होते हैं। उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे अपने कार्यकर्ताओं को संयम, कानून के सम्मान और लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन करने के लिए प्रेरित करें। लेकिन जब राजनीतिक प्रतिस्पर्धा कटु संघर्ष में बदल जाती है और कार्यकर्ताओं को किसी भी तरह से राजनीतिक लाभ प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, तो अराजकता की स्थिति उत्पन्न होती है। स्वस्थ लोकतंत्र के लिए आवश्यक है कि राजनीतिक दल चुनाव को युद्ध नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक उत्सव के रूप में देखें। आज आवश्यकता इस बात की है कि पश्चिम बंगाल की घटनाओं को केवल एक राज्य की समस्या न मानकर लोकतंत्र के लिए चेतावनी के रूप में देखा जाए। यदि प्रशासनिक तंत्र कमजोर होगा, राजनीतिक दल मर्यादा नहीं रखेंगे, और जनता का विश्वास कम होता जाएगा, तो लोकतंत्र केवल कागजों तक सीमित रह जाएगा। लोकतंत्र की रक्षा केवल संविधान या न्यायालय नहीं कर सकते, इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक निष्पक्षता और जनता की जागरूकताकृतांनों का संतुलन आवश्यक है। पश्चिम बंगाल की वर्तमान परिस्थितियां हमें यही संदेश देती हैं कि लोकतंत्र को केवल चुनाव से नहीं, बल्कि व्यवस्था की निष्पक्षता, कानून के शासन और नागरिक विश्वास से मजबूत बनाया जा सकता है।

इस परिप्रेक्ष्य में आवश्यक है कि राज्य सरकार, चुनाव आयोग और न्यायपालिका मिलकर ठोस कदम उठाएं। कानून व्यवस्था को सख्ती से लागू किया जाए, दोषियों के खिलाफ त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई हो और प्रशासनिक तंत्र को राजनीतिक दबाव से मुक्त रखा जाए। इसके साथ ही राजनीतिक दलों को भी आत्ममंथन करना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके कार्यकर्ता लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन करें। निश्चित ही यह समझना होगा कि लोकतंत्र की रक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। पश्चिम बंगाल की वर्तमान स्थिति एक चेतावनी है कि यदि समय रहते सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए, तो यह अराजकता और गहराई तक फैल सकती है। लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है कि हम सभी मिलकर कानून, नैतिकता और सहिष्णुता के मूल्यों को पुनः स्थापित करें। पश्चिम बंगाल आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां से वह या तो लोकतांत्रिक पुनर्जागरण की ओर बढ़ सकता है या अराजकता के गहरे गर्त में गिर सकता है। यह निर्णय न केवल राजनीतिक नेतृत्व, बल्कि पूरे समाज को मिलकर लेना होगा।

पीडीए के सहारे नेताजी से कैसे आगे निकल सकते हैं अखिलेश

-अजय कुमार

उत्तर प्रदेश की सियासत में मुलायम सिंह यादव का नाम हमेशा सियासत के एक बड़े खिलाड़ी के रूप में याद किया जाता है, जो एक शिक्षक के साथ अच्छे पहलवान भी थे। कुश्ती के अखाड़े से निकलकर राजनीति के मैदान में उतरे मुलायम विरोधियों को धूल चटाने का हुनर रखते थे। इटावा जिले के छोटे से गांव सैफई से निकलकर मुलायम ने यूपी और दिल्ली की राजनीति तक में अपना दबदबा बनाए रखा था, लेकिन उनकी सियासत को संभालने वाले उनके पुत्र अखिलेश यादव नेताजी की सियासत के करीब भी भटकते हुए नजर नहीं आते हैं। सियासत में 15 साल का लंबा सफर तय करने के बाद भी अपने दमखम पर समाजवादी पार्टी को कोई बड़ी विजय का स्वाद नहीं चखा पाए हैं। अखिलेश के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी दो विधानसभा और तीन लोकसभा के चुनाव लड़ चुकी है, लेकिन कुछ हद तक 2024 के लोकसभा चुनाव के अलावा किसी भी चुनाव में अखिलेश की हनक-धमक नहीं सुनाई दी, जबकि सपा को मजबूत करने के लिए अखिलेश ने कांग्रेस और मायावती तक से समझौता करने में परहेज नहीं किया, जिनका मुलायम सिंह से छत्तीस का आंकड़ा रहता था।

समाजवादी पार्टी के संस्थापक और पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव ने पिछड़ों-यादव और मुस्लिम वोटरों का एक ऐसा गठजोड़ तैयार कर रखा था, जिसको तोड़ना किसी भी विरोधी के लिए संभव नहीं रहा। 1992 में मुलायम सिंह ने समाजवादी पार्टी की नींव रखी, तब से लेकर 2022 तक, जब उनका निधन हुआ, मुलायम ने तीन बार उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री पद संभाला। तीन बार सीएम बनने के बाद 2012 के विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करने के बाद मुलायम ने अपनी जगह बेटे को सीएम की कुर्सी पर बैठा दिया। मुलायम की राजनीति हमेशा जमीन से जुड़ी रही गांव-गांव घूमना, कार्यकर्ताओं की शिकायतें सुनना, और जरूरत पड़ने पर गठबंधन की चाल चलकर सत्ता तक पहुंचना। लेकिन उनके बाद बेटे अखिलेश यादव ने जब पार्टी की कमान थामी, तो सवाल उठा कि क्या वे पिता की उस छाया से बाहर निकलकर अपनी पहचान बना पाएंगे। 2024 के लोकसभा चुनाव ने इस सवाल का जवाब कुछ हद तक दे दिया, लेकिन गहराई में उतरकर देखें तो तस्वीर और भी जटिल है।

नेताजी मुलायम सिंह यादव की राजनीतिक पारी की शुरूआत जनता दल से हुई, लेकिन 1992 में अलग पार्टी बनाकर उन्होंने पिछड़ों और अल्पसंख्यकों को अपना आधार बनाया। 1996 के लोकसभा चुनाव में सपा को 16 सीटें मिलीं, वोट शेयर करीब 20 प्रतिशत। फिर 1998 में 20 सीटें और 1999 में 26 सीटें। 2004 में मुलायम के नेतृत्व में पार्टी ने अपना रिकॉर्ड बनाया 35 सीटें, वोट शेयर 26.74 प्रतिशत। उस वक्त सपा अकेले लड़ी थी, गठबंधन का सहारा कम था। मुलायम की ताकत उनके व्यक्तिगत कद में थी। वे खुद रैलियों में उतरकर भीड़ को संबोधित करते, पहलवानी वाली भाषा में विरोधियों को ललकारते। उनकी सरकारों में यादव-मुस्लिम समीकरण मजबूत रहा, लेकिन कभी-कभी आंतरिक कलह भी सामने आई। 2012 के विधानसभा चुनाव में सपा को 224 सीटें मिलीं और मुलायम ने बेटे अखिलेश को मुख्यमंत्री बना दिया। यह फैसला विरासत के हस्तांतरण का था, लेकिन उसी समय परिवार में दरारें भी दिखने लगीं।

अखिलेश यादव 2012 में मुख्यमंत्री बने, तो उनकी छवि युवा, पढ़े-लिखे और विकास-उन्मुख नेता की बनी। लैपटॉप बांटने, सड़कें बनाने और बिजली व्यवस्था सुधारने जैसे कामों से वे “लैपटॉप सीएम” कहलाए। लेकिन 2017 में सपा को भारी झटका लगा, सिर्फ 47 सीटें बचीं। 2019 के लोकसभा चुनाव में तो पार्टी पांच सीटों पर सिमट गई, वोट शेयर गिरकर 18 प्रतिशत के आसपास पहुंच गया। मुलायम के निधन के बाद 2022 के विधानसभा चुनाव में अखिलेश अकेले मैदान में उतरे। पिता का नाम अब भी ब्रांड था, लेकिन अखिलेश को खुद को साबित करना था। उन्होंने पीडीए पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक का नारा दिया, बेरोजगारी, पेपर लीक और महंगाई जैसे मुद्दों पर हमला बोला। 2024 आया और अखिलेश ने वो कर दिखाया, जो पिता के समय में भी नहीं हुआ। 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा ने उत्तर प्रदेश की 80 सीटों में से 37 सीटें जीत लीं। यह मुलायम के 2004 के 35 सीटों के रिकॉर्ड को तोड़ने वाला प्रदर्शन था। वोट शेयर बढ़कर 33.59 प्रतिशत हो गया पार्टी के 32 साल के इतिहास में सबसे ऊंचा आंकड़ा। 2019 की तुलना में वोट शेयर में करीब 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। इंडिया गठबंधन में कांग्रेस को सिर्फ छह सीटें मिलीं, जबकि सपा ने 62 सीटों पर लड़कर बहुमत से ज्यादा प्रदर्शन किया। अखिलेश खुद कन्नौज से जीते, डिंपल यादव मैनपुरी से, और परिवार के अन्य सदस्यों ने भी जीत हासिल की। लेकिन इस बार यादव उम्मीदवारों की संख्या सिर्फ पांच रखी गई, जो मुलायम के समय में असंभव लगता था। अखिलेश ने मुस्लिम-यादव के पारंपरिक एमवाई समीकरण से आगे बढ़कर पीडीए को व्यापक आधार दिया। ब्राह्मण, क्षत्रिय और अन्य पिछड़ी जातियों का भी समर्थन मिला, जिससे सपा यूपी में बीजेपी की सबसे बड़ी चुनौती बन गई। अब 2027 में अखिलेश के पीडीए की परीक्षा होनी है।

खैर, लाख टके का सवाल यही है कि अखिलेश की राजनीति नेताजी मुलायम सिंह की राजनीति से कितना भिन्न भी थी, तो कहा जा सकता है कि 2024 तक अखिलेश को मुलायम सिंह जैसी कामयाबी नहीं मिल रही थी। दरअसल, मुलायम अक्सर खुद को केंद्र में रखते थे। 2004 में सपा ने यूपीए का साथ दिया था, फिर भी सीटें 35 ही रहीं। मगर अखिलेश ने 2024 में गठबंधन का फायदा उठाया, अपनी रणनीति से सीटें बढ़ाईं। उन्होंने टिकट बंटवारे में यादवों को सीमित रखकर संदेश दिया कि पार्टी अब एक जाति विशेष तक नहीं सिमटी। सपा के 86 प्रतिशत सांसद पिछड़े, दलित और मुस्लिम वर्ग से आए, जो पीडीए फॉर्मूले की सफलता दिखाता है। मुलायम के समय में पार्टी की सरकार होने पर भी इतनी सीटें लोकसभा में नहीं मिली थीं। अखिलेश ने विरोध में रहते हुए रिकॉर्ड बनाया। उनकी रैलियां युवाओं से भरी रहती हैं, सोशल मीडिया का इस्तेमाल वे बेहतर तरीके से करते हैं। पिता की तरह वे भी सड़क पर उतरकर जनता से जुड़ते हैं, लेकिन भाषा ज्यादा संयमित और मुद्दों पर केंद्रित रखते हैं। फिर भी गहराई में चुनौतियां बाकी हैं। मुलायम का व्यक्तिगत कद इतना बड़ा था कि वे परिवार की कलह को भी अपने अनुभव से संभाल लेते थे। 2016-17 में जब अखिलेश और चाचा शिवपाल के बीच तनाव बढ़ा, मुलायम ने खुद बीच में आकर मामला सुलझाने की कोशिश की। अखिलेश को अब बिना पिता की उस छाया के काम करना पड़ रहा है। 2027 के विधानसभा चुनाव करीब हैं, जहां सपा को सत्ता हासिल करने का सपना है। यादव-मुस्लिम वोट बैंक में कभी-कभी बिखराव की खबरें आती हैं। अखिलेश ने 2024 में यादव उम्मीदवार कम रखे, जो बहुलतावादी छवि देता है, लेकिन कोर वोटर नाराज भी हो सकता है। मुलायम ने कभी पार्टी को एक परिवार की तरह चलाया, अखिलेश को अब संगठन को और मजबूत करना है।

अखिलेश की राजनीति मुलायम से ज्यादा आधुनिक लगती है। वे विकास के एजेंडे को पुरानी समाजवादी विचारधारा के साथ जोड़ते हैं। 2012-17 में मुख्यमंत्री रहते उन्होंने युवाओं को आकर्षित किया, अब उसी को आगे बढ़ा रहे हैं। 2025-26 में भी अखिलेश 2027 के लिए तैयारी कर रहे हैं महिलाओं के लिए आर्थिक मदद, किसानों के लिए बेहतर मुआवजा, और सामाजिक न्याय के मुद्दे। मुलायम की ताकत मसल और जमीन से जुड़ाव में थी, अखिलेश की रणनीति में संगठन और समीकरण बनाने की कला है। 2024 के नतीजे बताते हैं कि उन्होंने पार्टी को पुनर्जीवित किया है। सपा अब देश की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है। लेकिन सियासी सफर लंबा है। मुलायम ने सपा को जन्म दिया, अखिलेश को उसे नई ऊंचाई देनी है। दोनों के बीच अंतर साफ है। मुलायम की राजनीति में “धोबी पछाड़” जैसी चालें थीं, अखिलेश ने पीडीए दांव से विरोधियों को चौंकाया। पिता की विरासत में भावनात्मक जुड़ाव था, बेटे की में युवा ऊर्जा और आधुनिक रणनीति। फिर भी अखिलेश को मुलायम की तरह जनता के बीच गहरा विश्वास कमाना है। साइकिल का पहिया घूम रहा है, लेकिन इसे और तेज गति देना अखिलेश की चुनौती है। उत्तर प्रदेश की राजनीति अब देख रही है कि यह नया अध्याय कितना मजबूत और दूर तक जाएगा। मुलायम की छाया अब भी सैफई से लखनऊ तक महसूस होती है, लेकिन अखिलेश ने साबित कर दिया कि वे अपनी रोशनी भी बना सकते हैं।

रामराज्य की झलक, विक्रम का युगः भारत के स्वर्णिम काल का पुनःस्मरण

-सुरेश गांधी

शौर्य से सीमाएं सुरक्षित हुईं, न्याय से समाज संतुलित हुआ और ज्ञान से विश्व ने दिशा पाई, सम्राट विक्रमादित्य का वह स्वर्णिम काल, जिसने भारत को केवल समृद्ध नहीं, बल्कि विश्वगुरु बनाया। जी हां, भारत का इतिहास केवल बीते समय की स्मृतियों का संग्रह नहीं, बल्कि वह जीवंत परंपरा है जो हर युग में स्वयं को नए रूप में स्थापित करती है। इसी परंपरा के सबसे उज्ज्वल नक्षत्र हैं सम्राट विक्रमादित्य, एक ऐसा नाम, जो सत्ता की सीमाओं से ऊपर उठकर राष्ट्रधर्म, न्याय और जनकल्याण की परिभाषा गढ़ता है। उनका व्यक्तित्व केवल एक राजा का नहीं, बल्कि एक युगद्रष्टा का था, जिसने शासन को जनसेवा, न्याय और संस्कृति के उच्चतम आदर्शों से जोड़ा। लगभग दो हजार वर्ष पूर्व उज्जैन की पवित्र भूमि से उठी उनकी गाथा केवल एक सम्राट की कहानी नहीं, बल्कि उस स्वर्णिम युग का उद्घोष है, जब भारत केवल भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि विश्व के लिए ज्ञान, संस्कृति और नैतिकता का केंद्र था। विक्रमादित्य ने अपने अदम्य शौर्य से आक्रांताओं को परास्त किया, अपने न्याय से समाज को संतुलित किया और अपने दान से अंतिम व्यक्ति तक सम्मान पहुंचाया। विक्रम संवत का प्रवर्तन हो या नवरत्नों के माध्यम से ज्ञान-विज्ञान का उत्कर्ष, हर निर्णय में एक दूरदर्शी राष्ट्रनिमार्ता की छवि स्पष्ट दिखाई देती है। आज जब भारत पुनः वैश्विक मंच पर अपनी पहचान को सशक्त कर रहा है, तब विक्रमादित्य का युग केवल इतिहास नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा बनकर सामने खड़ा है।

भारत का इतिहास केवल तिथियों, युद्धों और राजाओं का विवरण नहीं है; यह उस आत्मा की कथा है जिसने हजारों वर्षों से मानवता को दिशा दी है। यह समय की धारा में बहती हुई एक कहानी नहीं, बल्कि वह चेतना है जो हर युग में स्वयं को पुनः स्थापित करती है। इसी चेतना के केंद्र में खड़े हैं सम्राट विक्रमादित्य, एक ऐसा नाम, जो सत्ता से अधिक संस्कार, विजय से अधिक न्याय और विस्तार से अधिक जनकल्याण का प्रतीक बनकर उभरता है। लगभग दो हजार वर्ष पूर्व उज्जैन की धरती से उठी उनकी गाथा केवल इतिहास का अध्याय नहीं, बल्कि उस स्वर्णिम युग का उद्घोष है, जहाँ राजा और प्रजा के बीच विश्वास ही शासन का आधार था। विक्रमादित्य ने अपने अदम्य शौर्य से आक्रांताओं को परास्त किया, अपने न्याय से व्यवस्था को संतुलित किया और अपने दान से समाज के अंतिम व्यक्ति तक सम्मान पहुँचाया।

विक्रम संवत का प्रवर्तन हो या नवरत्नों के माध्यम से ज्ञान और संस्कृति का उत्कर्ष, हर निर्णय में एक दूरदर्शी राष्ट्रनिमार्ता की छवि स्पष्ट दिखाई देती है। आज जब भारत पुनः अपने स्वाभिमान की ओर अग्रसर है, तब विक्रमादित्य केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि भविष्य का मार्गदर्शन बनकर सामने आते हैं. एक ऐसे युगपुरुष, जिनकी गाथा समय को भी झुकने पर विवश कर देती है। जब हम विक्रमादित्य का स्मरण करते हैं, तो यह केवल एक राजा का स्मरण नहीं होता, बल्कि उस युग का स्मरण होता है, जहाँ शासन का अर्थ शक्ति प्रदर्शन नहीं, बल्कि प्रजा की सेवा था। यह वह समय था जब राजसत्ता का उद्देश्य विस्तार नहीं, बल्कि समरसता और न्याय था। उज्जैन, प्राचीन अवंतिका, की पवित्र भूमि से उठी यह गाथा भारतीय सभ्यता के उस शिखर की कहानी है, जहाँ धर्म, संस्कृति, विज्ञान और राजनीति एक-दूसरे के पूरक बनकर राष्ट्र को स्वर्णिम ऊँचाइयों तक ले जाते हैं।

इतिहास के पन्नों में दर्ज है कि उस समय शकों और यवनों ने भारत की सीमाओं पर आतंक मचा रखा था। उनकी क्रूरता और लूटपाट ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया था। ऐसे समय में विक्रमादित्य ने अपने अदम्य साहस और रणनीतिक कौशल का परिचय देते हुए 96 शक सामंतों को पराजित किया। यह विजय केवल सैन्य सफलता नहीं थी, बल्कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रारंभ थी। इसी पराक्रम के कारण उन्हें “शकारि” और “साहसांक” की उपाधियाँ मिलीं। यह वह क्षण था जब भारत ने फिर से अपने आत्मसम्मान को पहचाना और विश्व मंच पर अपनी शक्ति का परिचय दिया। विक्रमादित्य का शासन “रामराज्य” की अनुभूति कराता है, जिसकी तुलना अक्सर भगवान श्री राम के आदर्श राज्य से की जाती है। उनका न्याय केवल दंड तक सीमित नहीं था, बल्कि सुधार और पुनर्निर्माण पर आधारित था। वे अपराधियों के भीतर छिपी संभावनाओं को पहचानते थे और उन्हें राष्ट्रहित में उपयोग करने का अवसर देते थे। यह दृष्टिकोण आधुनिक आपराधिक न्याय प्रणाली के लिए भी एक प्रेरणा है। उनकी सबसे उल्लेखनीय उपलब्धियों में से एक थी, सम्पूर्ण राज्य को ऋणमुक्त करना। यह निर्णय केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय का एक क्रांतिकारी कदम था, जिसने समाज के अंतिम व्यक्ति तक राहत पहुँचाई।

नवरत्नों का दरबारः ज्ञान और सृजन का स्वर्ण युग

विक्रमादित्य के दरबार में विद्या और विज्ञान का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। उनके नवरत्न, कालिदास, वराहमिहिर, अमर सिंह, धन्वंतरि, ने भारत को ज्ञान के शिखर पर पहुँचाया। यह दरबार केवल सत्ता का केंद्र नहीं, बल्कि एक जीवंत विश्वविद्यालय था, जहाँ साहित्य, खगोलशास्त्र, चिकित्सा और दर्शन का विकास हुआ।

लोककथाओं में अमरताः बेताल और सिंहासन की गाथाएँ

बेताल पच्चीसी और सिंहासन बत्तीसी में वर्णित कथाएँ विक्रमादित्य के न्याय, बुद्धिमत्ता और साहस की अमर गाथाएँ हैं। ये कथाएँ केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि जीवन के गहरे सिद्धांतों का सरल प्रस्तुतीकरण हैं।

आध्यात्म और शक्ति : महाकाल की कृपा

विक्रमादित्य भगवान महाकाल के अनन्य भक्त थे। उनकी आस्था ने उन्हें आध्यात्मिक शक्ति प्रदान की, जो उनके निर्णयों में संतुलन और नैतिकता का आधार बनी। कहा जाता है कि उनका प्रभाव केवल भारत तक सीमित नहीं था, बल्कि तिब्बत, चीन, फारस और अरब तक फैला हुआ था। यह दशार्ता है कि विक्रमादित्य केवल एक क्षेत्रीय शासक नहीं, बल्कि एक वैश्विक व्यक्तित्व थे। आज जब भारत विकास के नए आयाम छू रहा है, धरती से अंतरिक्ष तक, तो यह प्रश्न उठता है कि क्या हम फिर से उस स्वर्णिम युग की ओर बढ़ रहे हैं? विक्रमादित्य का जीवन हमें सिखाता है कि एक सशक्त राष्ट्र केवल आर्थिक या सैन्य शक्ति से नहीं बनता, बल्कि न्याय, संस्कृति, ज्ञान और जनकल्याण के समन्वय से बनता है।

एक नाम, जो युगों तक गूंजेगा

सम्राट विक्रमादित्य केवल इतिहास का एक अध्याय नहीं हैं, बल्कि भारत की आत्मा का प्रतिबिंब हैं। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि सच्चा नेतृत्व वही है, जो अपने लोगों के लिए जीता है और उनके भविष्य को संवारता है। विक्रमादित्य, एक सम्राट नहीं, एक युग हैं।

विक्रमादित्य की 5 ऐतिहासिक पहचान

शकों पर विजय और “शकारि” की उपाधि

अद्वितीय न्याय प्रणाली, प्रजा केंद्रित शासन

विक्रम संवत का प्रवर्तन, कालगणना का भारतीय आधार

नवरत्नों का दरबार, ज्ञान और संस्कृति का उत्कर्ष

भारत को विश्वगुरु बनाने की दूरदर्शी सोच

एक राजा की शक्ति उसकी सेना में नहीं, बल्कि उसकी प्रजा के विश्वास में होती है। विक्रमादित्य का युग हमें बताता है कि जब शासन में न्याय और संस्कृति का संगम होता है, तब राष्ट्र विश्वगुरु बनता है। इतिहास गवाह है, जहां विक्रम का शासन था, वहां केवल सत्ता नहीं, बल्कि सभ्यता का उत्कर्ष था।

जब भारत ने भय को पराजित किया

उस समय भारत की सीमाएं शकों और यवनों के आक्रमण से त्रस्त थीं। जनजीवन असुरक्षित था और सांस्कृतिक अस्मिता खतरे में थी। ऐसे कठिन समय में विक्रमादित्य ने अपने अदम्य साहस और रणनीति से 96 शक सामंतों को परास्त किया। यह केवल युद्ध की विजय नहीं थी, बल्कि आत्मसम्मान की पुनर्स्थापना थी। इसी कारण उन्हें “शकारि” की उपाधि मिली। यह विजय भारत के लिए एक नए आत्मविश्वास का प्रारंभ बनी, जहां भय के स्थान पर स्वाभिमान ने जन्म लिया।

जहां सिंहासन भी परीक्षा लेता था

विक्रमादित्य का शासन केवल शक्ति पर आधारित नहीं था, बल्कि न्याय पर आधारित था। उनकी न्याय प्रणाली इतनी सशक्त थी कि लोककथाओं में वर्णित सिंहासन बत्तीसी तक में यह बताया गया है कि उनका सिंहासन भी योग्य शासक की परीक्षा लेता था। वे केवल अपराध को दंडित नहीं करते थे, बल्कि अपराधी के भीतर छिपे गुणों को पहचानकर उसे समाजहित में उपयोग करने का प्रयास करते थे। यह दृष्टिकोण आज के आधुनिक न्याय तंत्र के लिए भी प्रेरणा का स्रोत है।

समय पर अधिकार : विक्रम संवत का आरंभ

समय की गणना को भारतीय पहचान देने के लिए विक्रमादित्य ने विक्रम संवत की शुरूआत की। यह केवल एक कैलेंडर नहीं, बल्कि सांस्कृतिक स्वाभिमान का प्रतीक था। आज भी भारत के अनेक हिस्सों में यह संवत प्रचलित है, जो इस बात का प्रमाण है कि विक्रमादित्य का प्रभाव केवल उनके युग तक सीमित नहीं रहा, बल्कि समय की सीमाओं को पार कर गया।

ज्ञान का उत्कर्ष : नवरत्नों का स्वर्णिम युग

विक्रमादित्य के दरबार में विद्या और विज्ञान का अद्भुत संगम था। उनके नवरत्नों में कालिदास, वराहमिहिर जैसे महान विद्वान शामिल थे। यह वह काल था जब साहित्य, खगोलशास्त्र, चिकित्सा और दर्शन अपने चरम पर थे। दरबार केवल शासन का केंद्र नहीं, बल्कि एक जीवंत विश्वविद्यालय थाकृजहाँ से ज्ञान की किरणें पूरे विश्व में फैल रही थीं।

धर्म और संस्कृति : आस्था से संचालित शासन

विक्रमादित्य भगवान महाकाल के अनन्य भक्त थे। उनकी आस्था केवल व्यक्तिगत नहीं थी, बल्कि शासन के निर्णयों में भी झलकती थी। उन्होंने मंदिरों का निर्माण, ग्रंथों का संरक्षण और सनातन संस्कृति के पुनर्जागरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका शासन इस बात का उदाहरण है कि जब सत्ता और आध्यात्म का संतुलन होता है, तब समाज में स्थायित्व और समृद्धि दोनों आते हैं।

विश्वगुरु भारत : एक यथार्थ, केवल कल्पना नहीं

विक्रमादित्य का युग वह समय था जब भारत केवल अपने लिए नहीं, बल्कि पूरे विश्व के लिए ज्ञान का केंद्र था। व्यापार, संस्कृति और शिक्षा के माध्यम से भारत का प्रभाव दूर-दूर तक फैला हुआ था। यह वही युग था जब भारत “सोने की चिड़िया” कहलाता था, केवल आर्थिक समृद्धि के कारण नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और बौद्धिक संपन्नता के कारण।

ोदी युग में लौट रहा है वह स्वर्णिम काल?

आज जब भारत वैश्विक मंच पर अपनी पहचान को पुनः स्थापित कर रहा है, अंतरिक्ष से लेकर अर्थव्यवस्था तक. तो यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या हम फिर से उस विक्रम युग की ओर बढ़ रहे हैं? विक्रमादित्य का जीवन हमें यह सिखाता है कि एक सशक्त राष्ट्र केवल सैन्य या आर्थिक शक्ति से नहीं बनता, बल्कि न्याय, संस्कृति और जनकल्याण के समन्वय से बनता है।

सफरनामा विक्रमादित्य, एक नजर में

96 शक सामंतों को पराजित कर भारत को मुक्त कराया. न्यायप्रिय शासन, प्रजा सर्वोपरि, विक्रम संवत का प्रवत नवरत्नों के माध्यम से ज्ञान-विज्ञान का उत्कर्ष होता है, और विक्रमादित्य उसका सबसे उज्ज्वल उदाहरण हैं। मतलब साफ है सम्राट विक्रमादित्य केवल इतिहास के पन्नों में दर्ज एक नाम नहीं हैं, बल्कि भारतीय आत्मा के उस स्वर्णिम स्वरूप का प्रतीक हैं, जो हर युग में पुनः जागृत होने की क्षमता रखता है। विक्रम का युग केवल अतीत नहीं, भारत का भविष्य भी है।

जन्म से सम्राट बनने तक : संघर्ष, साधना और संकल्प

सम्राट विक्रमादित्य का जीवन केवल राजवंशीय उत्तराधिकार की कहानी नहीं है। यह तप, त्याग और संघर्ष की गाथा है। बचपन से ही उनमें अद्भुत प्रतिभा, साहस और नेतृत्व क्षमता के संकेत दिखाई देते थे। कहा जाता है कि उन्होंने अल्पायु में ही तपस्या कर आत्मबल अर्जित किया, जो आगे चलकर उनके निर्णयों और नेतृत्व में परिलक्षित हुआ। उनके पिता गंधर्वसेन और भाई भर्तृहरि के बाद जब राज्य की बागडोर उनके हाथों में आई, तब भारत बाहरी आक्रमणों और आंतरिक अस्थिरता से जूझ रहा था। लेकिन विक्रमादित्य ने इस चुनौती को अवसर में बदलते हुए न केवल राज्य को संगठित किया, बल्कि उसे एक शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में स्थापित किया।

समय का स्वामी : विक्रम संवत का प्रवर्तन

समय को मापने की परंपरा को नया आयाम देते हुए विक्रमादित्य ने विक्रम संवत की शुरूआत की। यह केवल एक कालगणना नहीं, बल्कि भारतीय पहचान का प्रतीक बन गया। आज भी भारत और विश्व के अनेक हिस्सों में यह संवत प्रचलित है, जो इस बात का प्रमाण है कि विक्रमादित्य न केवल अपने समय को नहीं, बल्कि आने वाले युगों को भी प्रभावित किया।

सिमरन कौर ढाडली की आवाज का जादू छाया बंजारे के हिट ट्रैक बैरण में

पटना । बंजारे के बैरन की वायरल लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। अब पंजाबी गायिका और गीतकार सिमरन कौर धडली भी एक दमदार वर्स के साथ इस संगीतमय बातचीत में शामिल हो गई हैं, जो इस बेहद पसंदीदा ट्रैक को एक नया भावनात्मक नजरिया देता है। नया रिलीज किया गया वर्स गाने की कहानी का विस्तार करता है, जिससे बैरन एक अंतर-क्षेत्रीय संगीतमय संवाद में बदल गया है, जो भाषाई सीमाओं से परे जाकर लोगों के दिलों को छू रहा है। बंजारे का “बैरन” चार्ट में शीर्ष पर बना हुआ है, जिससे इस ट्रैक की लोकप्रियता को और बढ़ावा मिला है और यह एक ग्लोबल हिट के रूप में अपनी जगह पक्की कर चुका है। बंजारे के इस लोकप्रिय ट्रैक ने स्पॉटिफाई वायरल सॉन्ग्स ग्लोबल और स्पॉटिफाई वायरल सॉन्ग्स इंडिया में हैश्टैग 1 स्थान हासिल किया है। साथ ही, यह स्पॉटिफाई टॉप सॉन्ग्स इंडिया और बिलबोर्ड इंडिया पर भी नंबर 1 पर है, जो यह दशार्ता है कि कैसे भावपूर्ण क्षेत्रीय संगीत तेजी से भाषाई और भौगोलिक बाधाओं को तोड़ रहा है। अपनी बेबाक कहानी और भावनात्मक संगीत के लिए जानी जाने वाली, सिमरन के जुड़ने से इस गाने को एक नया नजरिया मिला है। यह ओरिजिनल गाने से अलग होने के बावजूद उस मूल भावना को बनाए रखता है जिसने इस गाने को इतना लोकप्रिय बनाया। पंजाबी और हरियाणवी संगीत जगत के बीच इस अप्रत्याशित क्रॉसओवर ने कई चर्चाओं को जन्म दिया है।

वरिष्ठ पत्रकार रामप्रकाश निराला की माताश्री त्रिवेणी देवी का स्वर्गवास

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के प्रतिष्ठित पत्रकार और हिंदी पाक्षिक समाचार-पत्र बोईसर समाचार के प्रधान संपादक एवं बोईसर-पालघर पत्रकार संघ (रजि.) के अध्यक्ष रामप्रकाश निराला की माताश्री त्रिवेणी देवी का स्वर्गवास बुधवार 1 अप्रैल 2026 को उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जनपद स्थित उनके पैतृक निवास पर हो गया। वह 98 वर्ष की आयु में दुनिया को अलविदा कह गईं। वरिष्ठ पत्रकार निराला के माता जी के निधन की खबर ने पत्रकारिता जगत और समाजसेवियों को गहरे शोक में डुबो दिया है। उनके अंतिम संस्कार की प्रक्रिया दूसरे दिन 2 अप्रैल 2026 को सम्पन्न हुई, जिसमें परिवार, नजदीकी रिश्तेदारों और शोक संतप्त लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। बोईसर पालघर पत्रकार संघ ने इस दुखद घड़ी में वरिष्ठ पत्रकार रामप्रकाश निराला और उनके परिवार के प्रति गहरी संवेदनाएँ व्यक्त की है। जिले भर के पत्रकारों ने उनके परिवार के साथ इस कठिन समय में एकजुटता व्यक्त करते हुए स्व. त्रिवेणी देवी के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की।

राहुल कुमार बिंद की दसवीं कक्षा की मार्कशीट गायब

मुंबई(उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के निवासी राहुल कुमार बिंद की दसवीं कक्षा की मार्कशीट गायब हो गई है। उनके पिता का नाम राज बली और माता का नाम बिमला देवी है। राहुल का जन्म 27 अगस्त 1995 को हुआ था। उनकी शिक्षा में हिन्दी, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और संस्कृत जैसे विषय शामिल हैं। राहुल की दसवीं कक्षा का प्रमाण पत्र क्रमांक एच 158736 है और उनका अनुक्रमांक संख्या 3035710 है। वर्तमान में राहुल कुमार बिंद अपनी गायब हुई मार्कशीट के संबंध में अधिकारियों से सहायता प्राप्त करने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि उनकी पहचान और परीक्षा के अंक प्रमाणित किया जा सकें। यदि किसी को इस मार्कशीट के बारे में कोई जानकारी हो, तो कृपया राहुल कुमार बिंद से संपर्क करें या संबंधित शिक्षा कार्यालय को सूचित करें।

लाइटस्टाइल बाय पीएनजी का मुंबई में विस्तार

मुंबई। कम वजन वाले आधुनिक और स्टाइलिश आभूषणों के लिए प्रसिद्ध 'लाइटस्टाइल बाय पीएनजी' ब्रांड मुंबई में अपना विस्तार और मजबूत कर रहा है। इसके तहत, ब्रांड ने 22 मार्च को घाटकोपर और 29 मार्च को मुलुंड में दो नए स्टोर्स शुरू किए हैं। घाटकोपर का स्टोर वल्लभ विहार, राजावाड़ी कॉलोनी और मुलुंड का स्टोर एलबीएस मार्ग पर शुरू किया गया है। इन दोनों स्थानों पर ग्राहकों को कम वजन वाले, ट्रेंडी और दैनिक उपयोग के लिए उपयुक्त आभूषणों की विविधता देखने को मिलेगी। इन नए स्टोर्स में सोने और हीरे के कम वजन वाले, सुंदर और नई पीढ़ी की पसंद के डिजाइन्स पेश किए गए हैं। आज के युवा और कामकाजी वर्ग की पसंद को ध्यान में रखकर तैयार किया गया यह कलेक्शन दैनिक उपयोग के साथ-साथ खास अवसरों के लिए भी उपयुक्त है। मुंबई जैसे गतिशील शहर में इन दो नए स्टोर्स के माध्यम से ब्रांड ने अपने ग्राहकों तक और करीब पहुँचने का प्रयास किया है। उद्घाटन के अवसर पर ग्राहकों के लिए पुराने सोने के एक्सचेंज पर शून्य कटौती के साथ-साथ अतिरिक्त 3% लाभ भी दिया जा रहा है।

मीरा 2 इन 1 शैंपू मास्क लॉन्च के साथ कैविनकेयर ने पारंपरिक हेयरकेयर में नई कैटेगरी बनाई

मुंबई। कैविनकेयर का पारंपरिक हेयरकेयर ब्रांड मीरा ने 'मीरा 2 इन 1 शैंपू मास्क' पेश किया है, जो शैंपू की सफाई क्षमता को हेयर मास्क के गहन कंडीशनिंग लाभों के साथ जोड़कर नई शैंपू-मास्क कैटेगरी बनाता है। पीढ़ियों से चली आ रही पारंपरिक भारतीय हेयरकेयर प्रथाओं पर आधारित मीरा की इस लॉन्च से ब्रांड का आयुर्वेद में प्रवेश भी हो रहा है, जो साझा समय-परीक्षित सामग्री ज्ञान पर प्राकृतिक विस्तार है। हेयरकेयर रूटीन को सरल बनाने के लिए डिजाइन किया गया मीरा 2-इन-1 शैंपू मास्क सामान्य शैंपू की तरह इस्तेमाल होता है बालों को साफ करता है और एक ही स्टेप में मास्क जैसी गहन कंडीशनिंग देता है, जिसमें 120 घंटे तक इंटेंस कंडीशनिंग शामिल है। लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, मिस्टर राजत नंदा, बिजनेस हेड - पर्सनल केयर, कैविनकेयर ने कहा, ₹मीरा दशकों से साउथ इंडिया का सबसे भरोसेमंद पारंपरिक हेयरकेयर ब्रांड रहा है, जो पीढ़ी-दर-पीढ़ी चले आ रहे सामग्री ज्ञान और हेयरकेयर प्रथाओं पर टिका है। हमारे इन-हाउस R&D टीम द्वारा विकसित और आयुर्वेद लाइसेंस के तहत निर्मित यह लॉन्च कैविनकेयर की डिसरप्टिव इनोवेशंस पर निरंतर फोकस को दर्शाता है, साथ ही परंपरा में जड़ें जमाए रखते हुए। फॉर्मूलेशन का केंद्र पारंपरिक हेयरकेयर में मूल्यवान हिबिस्कस, सूर्यमुखी ऑयल, भृंगराज, एलो वेरा, आंवला और मेथी का मिश्रण है। ये सामग्रियां मिलकर आयुर्वेद-प्रेरित फॉर्मूला बनाती हैं।

अब होगा सिर्फ.क्रेडिबल सिनेमा का सेलिब्रेशन, आलिया भट्ट बनीं प्रतिष्ठित चेतक स्क्रीन अवॉर्ड्स 2026 की होस्ट

मुंबई/पटना। एक हाई-ऑक्टेन सिनेमैटिक प्रोमो ने इंडस्ट्री में जबरदस्त हलचल मचा दी है। नेशनल अवॉर्ड विनिंग पावरहाउस आलिया भट्ट अब तैयार हैं इंडिया के सबसे भरोसेमंद फिल्म ऑनर्स–प्रतिष्ठित चेतक स्क्रीन अवॉर्ड्स 2026 को होस्ट करने के लिए। यह ग्रैंड शो सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर टेलीकास्ट होगा। आलिया अपनी खास अदा और दमदार मौजूदगी के साथ इस रात को बना रही हैं क्रेडिबल सिनेमा का सेलिब्रेशन । अपनी सिग्नेचर स्टाइल में चौथी दीवार तोड़ते हुए आलिया दर्शकों से वादा करती हैं आग लगने वाली है! धरती फटने वाली है! बारिश होने वाली है, सब डूबने वाले हैं! शेर जागने वाला है! ऐसा कुछ नहीं होने वाला है। क्योंकि अब होगा सिर्फ.क्रेडिबल सिनेमा का सेलिब्रेशन! यकीन नहीं हो रहा है? 5 अप्रैल को देखिए, रात 8 बजे, चेतक स्क्रीन अवॉर्ड्स। इस साल आलिया भट्ट बतौर होस्ट उस पुल की तरह सामने आ रही हैं जो ग्लोबल स्टारडम और असली, ऑथेंटिक एक्टिंग क्राफ्ट को जोड़ता है। चेतक स्क्रीन अवॉर्ड्स भारतीय फिल्म इंडस्ट्री का गोल्ड स्टैंडर्ड माना जाता है, जहाँ सिर्फ.मेरिट ही मायने रखता है और एक्सीलेंस ही असली पैमाना है। यह कोई आम अवॉर्ड शो नहीं, बल्कि देश का सबसे प्रतिष्ठित मंच है जो सिनेमा के असली विजनरीज की मेहनत, जुनून और कहानी कहने की कला को सलाम करता है। शोर-शराबे से दूर रहकर सिर्फ.क्रेडिबल सिनेमा पर फोकस करने की वजह से इस अवॉर्ड ने अपनी पहचान सबसे ऑथेंटिक और रिस्पेक्टेड प्लेटफॉर्म के तौर पर बनाई है। इस साल का मुकाबला अपने चरम पर है, जब इंडस्ट्री के दिग्गज टॉप ऑनर्स के लिए आमने-सामने हैं। बेस्ट एक्टर (मेल) कैटेगरी में दांव बेहद ऊँचे हैं रणवीर सिंह (धुरंधर), विक्की कौशल (छावा), दिग्गज मनोज बाजपेयी (जुगनुमाः द फेबल), सिद्धांत चतुर्वेदी (धड़क 2) और ईशान खट्टर (होमबाउंड)।

बोईसर में विहिप बजरंग दल द्वारा श्री हनुमान जन्मोत्सव पर निकाली गई भव्य शोभायात्रा

शोभायात्रा में श्रद्धालुओं की उमड़ी भारी भीड़

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले के बोईसर शहर में गुरुवार 2 अप्रैल 2026 को श्री हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल द्वारा विशाल शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें राम भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा।

शोभायात्रा की शुरूआत पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत स्थित टीमा ग्राउंड से की गई और नगर भ्रमण करते हुए सर्कस ग्राउंड में समापन किया गया। आयोजकों के अनुसार कार्यक्रम में करीब 12 हजार से ज्यादा लोगों की मौजूदगी रही। इस दौरान पूरा शहर भगवा रंग में रंगा नजर आया और भक्तों द्वारा जय श्रीराम व जय हनुमान के जयघोष से वातावरण भक्तिमय हो गया। डीजे पर बज रहे भक्ति गीतों की धुनों ने माहौल को और अधिक उत्साहपूर्ण बना दिया। शोभायात्रा का नगरवासियों ने जगह-जगह फूल वर्षा कर जोरदार स्वागत किया। वहीं व्यापारियों व आम लोगों द्वारा जल पान की विशेष व्यवस्था की गई थी, जिससे श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम के दौरान आयोजकों ने दावा किया कि 251 परिवारों के 600 से अधिक लोगों की घर वापसी कराई गई। विहिप के कोंकण विभाग के सहमंत्री चंदन सिंह ने कहा कि जो परिवार किसी कारणवश अपनी जड़ों से दूर हो गए थे, उन्हें पुनः सनातन धर्म से जोड़ना हमारा कर्तव्य है। यह केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पुनर्स्थापना का अभियान है। इस भव्य शोभायात्रा में भगवान श्रीराम, श्री हनुमान और विभिन्न महापुरुषों की आकर्षक झांकियां प्रस्तुत की गईं, जिनके माध्यम से धार्मिक और सांस्कृतिक संदेश दिया गया। पूरे मार्ग में भक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा था। आयोजन को लेकर पहले से व्यापक तैयारियां की गई थीं और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, युवा और महिलाएं इसमें शामिल हुए। आयोजकों ने इसे सामाजिक एकता और सांस्कृतिक चेतना को मजबूत करने वाला ऐतिहासिक आयोजन बताया। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष भरत राजपूत, विहिप के प्रांत मंत्री मोहन सालेकर, जिला मंत्री जयेश घरत, विहिप के पालघर जिलाध्यक्ष महावीर जैन, विहिप नेता मुकेश दुबे, रामरंजन सिंह, बजरंग दल के जिला संयोजक कुंदन सिंह, अरविंद सिंह, एसपी सिंह, रोबिन सिंह, मनोज मिश्रा, भाजपा महासचिव अशोक वड़े, नमो नमो मोर्चा भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष व भाजपा जिला सचिव सत्यप्रकाश सिंह, बोईसर ग्राम पंचायत उपसरपंच नीलम संखे, आरबी सिंह जिला अध्यक्ष (भाजपा- उत्तर भारतीय मोर्चा) तथा हिंदू जनजागृति संस्था के अध्यक्ष रवि सिंह, महासचिव तुलसी छीपा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

उद्योगपति मनोज राय ने शांति स्कूल को दिया वायर कूलर

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पूर्व के वालधुनि स्थित शांति हिंदी स्कूल में उद्योगपति मनोज राय द्वारा छात्रों को गर्मी से राहत देने के मकसद से एक आधुनिक वाटर कूलर प्रदान किया गया है। इस वाटर कूलर से बच्चों का स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। कूलर के उद्घाटन के पश्चात बच्चो ने खुशी जताते हुवे कूलर से अपने बॉटल में पानी भरते देखे गए। इस मौके पर मनोज राय ने कहा कि बच्चों का स्वास्थ्य और शिक्षा दोनों ही बहुत महत्वपूर्ण हैं, और स्वच्छ पानी उनके अच्छे स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है।

विद्यालय के सचिव विनोद पांडे और मुख्याध्यापक गगन जैसवार ने इस सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त किया है।

अवैध बालू खनन व बालू तस्करी करने वालों पर महसूल विभाग ने शिकंजा कसते हुये ट्रक समेत 15 लाख का माल जब्त

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी में अवैध रूप से बालू की ढुलाई करने वाले बालू माफियाओं के खिलाफ महसूल विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। कोपर ग्राम के महसूल अधिकारी रमेश रामराव सूर्यवंशी ने अपनी टीम के साथ छापेमारी कर एक हायवा ट्रक सहित करीब 15 लाख 15 हजार रुपये का मुद्देमाल जब्त किया है। इस मामले में नारपोली पुलिस स्टेशन में चालक मनोज के खिलाफ भारतीय दंड संहिता तथा महाराष्ट्र भूमि राजस्व संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, काल्हेर, कशेळी और कोपर गांवों से अवैध उत्खनन और बालू तस्करी की

शिकायतें लगातार भिवंडी तहसीलदार अभिजीत खोले को मिल रही थीं। इसके बाद तहसीलदार ने संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए। निर्देशानुसार ग्राम महसूल अधिकारी रमेश सूर्यवंशी ने अपनी टीम मनोज नवले, रुपेश कारभारी और किसन हांबीर के साथ कोपर गांव स्थित दोस्ती ग्रेटर ठाणे परिसर में गश्त के दौरान कार्रवाई की। इस दौरान केवणी गांव की ओर से भिवंडी-ठाणे मुख्य मार्ग पर रेत से भरा ट्रक (टव्र 46 उव 9372) जाता हुआ दिखाई दिया। महसूल टीम ने चालक से बालू परिवहन के वैध दस्तावेज मांगे, लेकिन चालक ने बहस करते हुए मौके से ट्रक की चाबी लेकर फरार हो गया। इस पर सरकारी काम में बाधा डालने का भी मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने ट्रक और उसमें भरी अवैध बालू को जब्त कर लिया है। इस कार्रवाई से बालू माफियाओं में हड़कंप मच गया है। महसूल अधिकारी रमेश सूर्यवंशी ने बताया कि अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ ऐसी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

नगरसेवक महेश गायकवाड़ द्वारा नागरिकों की सेवा में एंबुलेंस भेंट

कल्याण (उत्तरशक्ति)। माँ हर व्यक्ति के जीवन की सबसे बड़ी प्रेरणा होती है। अपनी माँ की स्मृतियों को संजोते हुए समाज के लिए कुछ करने की भावना रखने वाले प्रभाग क्रमांक 15 के नगरसेवक तथा शिवसेना संपर्क प्रमुख महेश दशरथ गायकवाड़ ने अपनी मातोश्री स्वर्गीय गुंजाई दशरथ गायकवाड़ की 26वीं पुण्यतिथि पर एक सामाजिक पहल करते हुए कल्याण पूर्व की जनता को एंबुलेंस भेंट कर अनोखे तरीके से कृतज्ञता व्यक्त की।

एंबुलेंस के लोकार्पण के अवसर पर उन्होंने कहा, ह्लबंजारा समाज तथा आसपास के क्षेत्र के मरीजों को समय पर उपचार मिल सके, यही इस पहल के पीछे की भावना है। आपातकालीन परिस्थितियों में यह एंबुलेंस कई लोगों की जान बचाने में मदद करेगी, यही माँ को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस कार्यक्रम में बंजारा समाज सेवा मंडल के अध्यक्ष अशोक चव्हाण, नगरसेवक कैलाश जोशी, नगरसेविका रेश्मा किरण निचल, पूर्व नगरसेवक देवानंद गायकवाड़, तथा निलेश रसाल, शंकर मुतगेकर सहित मातोश्री गुंजाई फाउंडेशन की महिला कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थीं। कार्यक्रम का आयोजन एवं संचालन प्रशांत बोटे द्वारा किया गया।

माँ की स्मृति में समाजसेवा का यह आदर्श उपक्रम पूरे परिसर में सराहना का विषय बन रहा है।

इसी तरह मलंग गढ़ के ग्रामीण इलाके में बसे खरड़ गांव के आदिवासी क्षेत्र में भी अन्नदान और साड़ियों का वितरण किया गया।

सुरों की विरासत को सलाम: नवीन कुमार की द जर्नी ऑफ बांसुरी का भव्य विमोचन सुभाष घई के हाथों

मुंबई (उत्तरशक्ति)। सुर, ताल और भावनाओं से सराबोर एक यादगार शाम में प्रसिद्ध बांसुरी वादक नवीन कुमार ने अपनी बहुप्रतीक्षित डेब्यू पुस्तक द जर्नी ऑफ बांसुरी का लोकार्पण प्रतिष्ठित व्हिसलिंग वुड्स इंटरनेशनल में किया। इस पुस्तक का विमोचन मशहूर फिल्मकार Subhash Ghai के हाथों हुआ, जिसकी गरिमामयी उपस्थिति में सुप्रसिद्ध गायक Sukhwinder Singh और विश्वप्रसिद्ध पर्कशनिस्ट Sivamani भी शामिल रहे। यह आयोजन एक खूबसूरत राग की तरह गूंजता रहा, जिसमें शब्द, संगीत और यादों का अद्भुत संगम देखने को मिला। इस मौके को और खास बनाते हुए नवीन कुमार ने बांसुरी पर लाइव प्रस्तुति दी, जिसमें तू ही रे, फिल्म हीरो का अमर गीत और धुरंधर 2 का एक विशेष अंश प्रस्तुत किया। हर सुर मानो कविता की तरह बहता हुआ उनकी बांसुरी से जुड़ाव को दर्शा रहा था। शाम का मुख्य आकर्षण एक शानदार जुगलबंदी रही, जहां सिवमणि की जोशीली ताल और नवीन कुमार की मधुर बांसुरी ने ऐसा समां बांधा कि दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। इसके बाद सुखविंदर सिंह ने कृष्णा गीत की ऊजार्वान प्रस्तुति देकर माहौल को और भी जीवंत बना दिया। इस अवसर पर नवीन कुमार ने कहा, यह किताब सिर्फ लिखी नहीं गई है, बल्कि जी गई है। यह मेरे वर्षों के स्व-अध्ययन, प्रयोग और बांसुरी के साथ गहरे संबंध का परिणाम है। सुभाष घई ने अपने विचार साझा करते हुए कहा, सच्ची कला जुनून और समर्पण से जन्म लेती है, और नवीन कुमार की यात्रा इसका सुंदर उदाहरण है। द जर्नी ऑफ बांसुरी केवल एक पुस्तक नहीं, बल्कि हर कलाकार के लिए प्रेरणा है। एक साधारण और सांस्कृतिक परिवार में जन्मे नवीन कुमार ने अपने दिवंगत माता-पिता को अपनी प्रेरणा बताया। उन्होंने कहा, मैं खुद को भाग्यशाली मानता हूं कि मुझे उनकी कला और संस्कार विरासत में मिले। उन्होंने अपनी पत्नी किरण और बच्चों राहेल नवीन और जीन नवीन का भी आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर श्रीमती उषा श्रीनिवासन शाहणे के योगदान को भी सराहा गया, जिन्होंने इस पुस्तक के प्रूफरीडिंग और संपादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नवीन कुमार ने उन्हें विशेष धन्यवाद देते हुए कहा कि उनके बिना यह पुस्तक संभव नहीं थी। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त प्रकाशक और लेखक आकाश भाबट का भी विशेष उल्लेख किया गया, जिन्होंने नवीन कुमार की इस पहली पुस्तक को अपनाया और प्रोत्साहित किया। एक भावुक क्षण में नवीन कुमार ने अपने मानस गुरु सुभाष घई को श्रद्धांजलि देते हुए कहा, उनका सच्चे कलाकारों के प्रति प्रेम प्रेरणादायक है। बिना किसी पूर्व परिचय के उन्होंने हमेशा मेरा मार्गदर्शन और समर्थन किया। कार्यक्रम का समापन एक प्रेरणादायक माहौल के साथ हुआ, जहां संगीत, कहानी और भावनाओं का सुंदर संगम देखने को मिला–जो द जर्नी ऑफ बांसुरी के सार को पूरी तरह दर्शाता है।

मोटरसाईकिल चोर को क्राइम ब्रांच सेल एक ने किया गिरफ्तार और चोरी के 5 मामलों का किया खुलासा

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। भायंदर में बिगत 07/02/2026 को रात 9:30 बजे से 11:00 बजे के बीच, शिकायतकर्ता कमलेश ललित शाह, निवासी भायंदर (पश्चिम), टी.डी. ठाणे, द्वारा बिशप स्कूल, वेज सागर होटल, भायंदर (पश्चिम) के पास खड़ी की गई 25,000 रुपये मूल्य की सफेद होंडा एक्टिवा मोटरसाइकिल के खिलाफ भारतीय दंड संहिता, 2023 की धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता की शिकायत पर, भायंदर पुलिस स्टेशन में अपराध पंजीकरण संख्या 46/2026 के तहत भारतीय दंड संहिता, 2023 की धारा 303(2) के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। काशीमीरा स्थित अपराध जांच शाखा -1 को वरिष्ठ अधिकारियों से उक्त अपराध की जांच करने और आरोपी को गिरफ्तार करने के निर्देश प्राप्त हुए थे। शिकायतकर्ता से प्राप्त सूचना और घटनास्थल तथा आसपास के क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज की जांच करने के बाद यह पाया गया कि उक्त अपराध आरोपी अयाज अली रहमत अली अंसारी, उम्र 41 वर्ष, पेशे से मजदूर, निवासी हयात मोहम्मद चाल, साईबाबा मंदिर के पास, एल.बी.एस. रोड, परशीवाड़ी, चिराग नगर, घाटकोपर (पश्चिम) मुंबई द्वारा किया गया था।

मूल गांव मर्चेंट नगर स्लम, गली संख्या 01, कुसम्बा रोड, मालेगांव, नासिक। उक्त आरोपी की तलाश करते हुए, उसे 01/04/2026 को दहिसर चेक पोस्ट, काशीमीरा के पास पाया गया और अपराध के संबंध में उससे पूछताछ करने पर पता चला कि उसने उक्त अपराध के साथ-साथ मुंबई में मोटरसाइकिल चोरी के 4 अन्य अपराध भी किए हैं।

आरोपी के ऊपर कुल 16 मामले दर्ज है, आगे की कार्रवाई के लिए भायंदर पुलिस स्टेशन भेज दिया गया है।

फेडएक्स ने सीएसके के साथ लॉन्च किया नया कैंपेन

मुंबई। दुनिया की सबसे बड़ी एक्सप्रेस ट्रांसपोर्टेशन कंपनी फेडरल एक्सप्रेस कॉर्पोरेशन (फेडएक्स) ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के साथ मिलकर फेडएक्स. द मूव इंडिया नीड्स' (फेडएक्स. वो कदम जिसकी भारत को जरूरत है) नाम से तीन डिजिटल फिल्मों की एक सीरीज लॉन्च की है। इन फिल्मों में चेन्नई सुपर किंग्स के दिग्गज खिलाड़ी महेन्द्र सिंह धोनी, रितुराज गायकवाड़ और उर्विल पटेल नजर आ रहे हैं। फेडएक्स और चेन्नई सुपर किंग्स की यह साझेदारी लगातार दूसरे साल जारी है, जो पिछले साल की सफलता को और आगे बढ़ाती है।

भारत में जहाँ क्रिकेट संस्कृति, व्यापार और समाज को जोड़ने का एक मजबूत माध्यम है, वहीं यह कैंपेन दिखाता है कि फेडएक्स किस तरह अलग-अलग व्यापारिक जरूरतों के लिए 'एंड-टू-एंड' (शुरू से अंत तक) लॉजिस्टिक्स समाधान प्रदान करता है। क्रिकेट की दुनिया से तालमेल बिठाते हुए, इस कैंपेन में फेडएक्स को एक ऑल-राउंडर के रूप में पेश किया गया है–जो ऑटोमोबाइल, हेल्थकेयर और प्रीमियम ई-कॉमर्स जैसे अहम क्षेत्रों में तेजी, भरोसे और विशेषज्ञता के साथ काम करता है। चेन्नई सुपर किंग्स खिलाड़ियों के जरिए यह दिखाया गया है कि किस तरह भारतीय बिजनेस आसानी से अमेरिका, यूरोप और एशिया के प्रमुख व्यापारिक मार्गों से जुड़ सकते हैं और अपने काम को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकते हैं।

फेडएक्स के मार्केटिंग, कस्टमर एक्सपीरियंस और एयर नेटवर्क के वाइस प्रेसिडेंट, नितिन नवनीत तातिवाला ने कहा, फेडएक्स को जटिलताओं को संभालने के लिए बनाया गया है, ताकि बिजनेस को इसकी चिंता न करनी पड़े। चेन्नई सुपर किंग्स के साथ हमारी यह निरंतर साझेदारी इसी सोच को दर्शाती है, जहाँ हम शिपिंग की अलग-अलग जरूरतों को पूरा करने के लिए एक 'ऑल-राउंड' नजरिया अपनाते हैं। हमारे व्यापक समाधानों के जरिए हम सामान की तेज, स्मार्ट और ज्यादा भरोसेमंद आवाजाही सुनिश्चित कर रहे हैं, जिससे बिजनेस को हर बाजार में फुतीर्ला और प्रतिस्पर्धी बने रहने में मदद मिलती है। चेन्नई सुपर किंग्स के मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री केएस विश्वनाथन ने कहा, हम फेडएक्स के साथ अपनी साझेदारी को आगे बढ़ाकर बेहद खुश हैं। द मूव इंडिया नीड्स कैंपेन प्रगति और निरंतर आगे बढ़ने की उस भावना को दर्शाता है, जो हमारी टीम और फैंस दोनों के साथ गहराई से जुड़ती है। हम आने वाले सीजन में भी इस सफल साझेदारी को और मजबूत करने के लिए उत्साहित हैं।

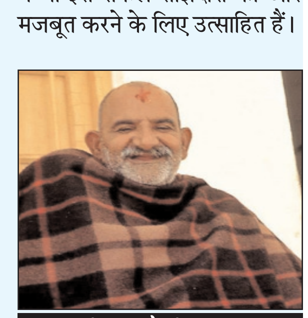

नीम करौली बाबा

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय:

उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)

मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37

मो.- 9554493941

email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।

पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

थ्रेसर में फंसकर विवाहिता की दर्दनाक मौत, परिवार में मचा कोहराम

जितेन्द्र कन्नौजिया

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत क्षेत्र के तेजपुर गांव में बुधवार की शाम एक दर्दनाक हादसे में विवाहिता की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार, शाम लगभग सात बजे अपने खेत में गेहूं की मड़ाई के दौरान मुकबधीर बिन्दू देवी (48 वर्ष) पत्नी सुरेन्द्र राम थ्रेसर में फंस गईं, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना के बाद परिजन आनन-फानन में उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां चिकित्सकों ने हालत नाजुक देखते हुए वाराणसी के ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया लेकिन वहां पहुंचने से पहले ही बिन्दू देवी ने दम तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि मड़ाई के दौरान थ्रेसर ट्रैक्टर से चल रहा था, जिसे राजकुमार यादव चला रहा था। चर्चा का विषय है कि घटना के समय ट्रैक्टर चालक मौके पर मौजूद था। यदि चालक वहां सतर्क रहता, तो संभवतः हादसा टल सकता था। मृतका अपने पीछे दो पुत्र अभय (24 वर्ष), अवनीश (21 वर्ष) और एक नाबालिग पुत्री स्नेहा (14 वर्ष) को छोड़ गई हैं। वहीं पति सुरेन्द्र राम पैर से दिव्यांग हैं, जिससे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर है।

ससुराल में युवक की संदिग्ध मौत, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नेवढ़िया थाना क्षेत्र के दूहावर गांव में ससुराल आए एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। मृतक के परिजनों ने ससुराल पक्ष पर हत्या का गंभीर आरोप लगाते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, भदोही जनपद के फूलपुर निवासी लगभग 30 वर्षीय जितेंद्र कुमार चौहान अपनी ससुराल दूहावर गांव आए हुए थे, जहां उनकी साली की शादी की तैयारियां चल रही थीं। बताया जा रहा है कि ससुराल पक्ष की मांग पर उन्होंने एक लाख रुपये की व्यवस्था भी की थी। बुधवार देर रात अचानक उनकी तबीयत बिगड़ने की बात कहकर ससुराल पक्ष के लोग उन्हें जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। चिकित्सकों को शव पर चोट के निशान मिलने के बाद मामला संदिग्ध प्रतीत हुआ, जिसके चलते शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही मृतक के पिता व अन्य परिजन मौके पर पहुंचे और ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना को लेकर क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं।

करंट की चपेट में आने से 14 वर्षीय किशोर की मौत

गौराबादशाहपुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना क्षेत्र के बारी गांव में शुक्रवार दोपहर एक हृदयविदारक हादसे में 14 वर्षीय किशोर की करंट लगने से मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार, बारी गांव निवासी लाल बिहारी का पुत्र राज यादव (14) घर में आई बिजली की खराबी को ठीक करने का प्रयास कर रहा था। इसी दौरान वह अचानक करंट की चपेट में आ गया और मौके पर ही अचेत होकर गिर पड़ा। बताया जा रहा है कि हादसे के समय घर पर कोई परिजन मौजूद नहीं था। कुछ देर बाद जब परिजन घर पहुंचे तो राज को जमीन पर पड़ा देख उनके होश उड़ गए। आनन-फानन में उसे निजी वाहन से जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची गौरा बादशाहपुर थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कार्रवाई में जुट गई।

मानीकलां के डॉ.वकील नजीर इंटर कॉलेज में छात्रों ने लहराया परचम, शानदार परिणाम से बढ़ाया गौरव

डॉ.इम्तियाज अहमद

मानीकलां, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खंड सोंधी शाहगंज क्षेत्र के कस्बा मानीकलां स्थित डॉ. वकील नजीर इंटर कॉलेज में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया। विभिन्न कक्षाओं के छात्र-छात्राओं ने शानदार अंक प्राप्त कर सफलता का परचम लहराया।

विद्यालय के फाउंडर/मैनेजर डॉ. वकील अहमद नजीर, असिस्टेंट मैनेजर मोहम्मद राफे शमीम नजीर, जीनत अशरफ, इस्मत शमीम प्रिंसपल उमेश सिंह, अर्चना सिंह, खुशबू बानो, नियाज अहमद, हाफिज नेहाल सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

एल केजी
जरिया अतहर 98.83%
इब्राहिम फैज 96.05%
जरियाब शमीम 95.%
हफीजा कामरान 95%
यू केजी छात्र
फवाज सऊद 98.83%
जियान इनामुद्दीन 97.66%
हस्सान अब्दुस सलाम 97.66%
जीशान फरहान 96.33%
यू केजी छात्रा
इल्मा शाहनवाज 96.66%
सारा तबरेज 94.33%
हरीम अब्दुल हादी 94.16%
क्लॉस 1 छात्र /छात्रा
अरहम फैज 98.33%
उमर गुफरान 98.11%
अजका फिरोज 97.88%
क्लॉस 2 छात्र /छात्रा
जैनब अनवार 97.44%
इब्राहिम इकबाल 97.33%
अक्सा अहमदुल्लाह 97.11%
क्लॉस 3 छात्र/छात्रा
शमा अब्दुल मुनीम 97.33%
हादिया रिजवान 96.55%
आसिया आरिफ 96.55%
अबु अहमद दिलशेर 94.77%
क्लॉस 4 छात्र/छात्रा
सुमैया आबूशाद 93.88%
सानिया सैय्यद अली 84.22%
सिदरा इमरान 84.22%
आरजू सलाहुद्दीन 83.%
क्लॉस 5 छात्र/छात्रा
वामिक आबिद 98.33%
आकिब आबिद 95.5%
सुब्हान अब्दुस सलाम 84.7%
कक्षा पांच छात्रा
अरिहा शमीम 98.%
अलिस्बा फहीम 96.55%
अनबिया रियाजुद्दीन 89.55%
क्लॉस 6 छात्र/छात्रा
हमजा हबीबुल्लाह 98.%
जियान सलीमुद्दीन 93.42%
जैन बदरे आलम 88.42%
तस्मिया सेराज 85.71%
नदिया अंसार 85.35%
सबा साबिर अली 80.21%
सरिया शमीम 96.07%
मिस्बाह नदीम 95.64%
रुकैय्या इनामुद्दीन 93.5%
क्लॉस 7 छात्र/छात्रा
नायमा मकबूल 93.78%
अदीबा एखलाक 92.42%
जिकरा नदीम 90.07%
किन्जा अब्दुल्लाह 93.%
तैय्यबा रेहान 92.5%
अलीना रईस 92.5%
खदीजा लाल मोहम्मद 91.92%
रैयान फैजान 87.92%
अफजल फैय्याज 85.42%
अब्दुर रहमान अमीन 84.92%
क्लॉस 8 छात्र/छात्रा
सदफ नौशाद 95.5%
फात्मा अबुसाद 93.%
शिफा नदीम 92.71%
माहम फहीम 93.14%
ज़िकरा हसीब 87.92%
रुश्दा एजाज 84.71%
हंजला अजमल 87.64%
अब्दुल रहीम अंसार 78.78%
उमैर एहतशाम 73.42%
क्लॉस 9 छात्र/छात्रा
आयशा अनीसुररहमान 91.25%

जब इस सम्बन्ध में उत्तरशक्ति न्यूज के उप सम्पादक डॉ.इम्तियाज अहमद ने फाउंडर/मैनेजर डॉ.वकील नजीर अहमद से दूर संचार के माध्यम से पूछा तो डॉ.वकील अहमद का कहना था खुशहाल और कामयाब जिंदगी गुजारने के लिए उच्च शिक्षा हासिल करना बहुत जरूरी है। डॉ.साहब ने कहा कि जरूरी इल्म के बगैर इंसान की जिंदगी अंधेरी रहती है। जिसकी वजह से वह अच्छे और बुरे में फर्क नहीं कर पाता है। अगर शिक्षा की तरफ थोड़ी सी तवज्जों दी जाए तो शिक्षा हासिल करना कोई मुश्किल काम नहीं है। जो छात्र छात्रा पोजिशन नहीं ला सके। वो खूब मेहनत करे। कभी अपने आपको कमजोर नहीं समझे बस उन्हें थोड़ा और मेहनत करने की जरूरत है फिर वही छात्र छात्रा अगले वर्ष अच्छे परिणाम ला सकते है। आने वाले वर्ष में उन्हें भी कॉलेज की तरफ से सम्मानित किया जायेगा।

रुश्दा अलीमुद्दीन 88.25%
जावेरिया हिसामुद्दीन 87.08%
मोहम्मद यूसुफ शमीम 98.75%
आदित्य मनोज 79.41%
मो. शाकिर शाकिब 78.83%
क्लॉस 11 छात्र/छात्रा
मीरब महताब 95.%
जिनिया बदरे आलम 85.7%
अनबिया सेराज अहमद 85.7%
इल्मा नौशाद 84.7%
सबरीन अखलाख 77.%
शीबा अबु ओसमा 76.9%
सना अब्दुल कुद्दश 76.1%
कुनाल कृशन कुमार 77.21%
ताबिश जावेद 72.8%

उमर नसीम 72.7% अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। विद्यालय प्रबंधक ने सभी विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की मेहनत, अभिभावकों के सहयोग और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। विद्यालय परिवार ने सभी सफल छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

भाजपा जौनपुर ने घोषित की जिला कार्यकारिणी, संगठन को मिलेगी नई गति

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जौनपुर इकाई ने संगठनात्मक मजबूती एवं आगामी चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए नई जिला कार्यसमिति की घोषणा की है। यह गठन प्रदेश नेतृत्व के मार्गदर्शन एवं स्वीकृति के उपरांत किया गया है।

प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की संस्तुति पर जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति द्वारा कार्यकारिणी का गठन किया गया। नवगठित टीम में अनुभवी, कर्मठ एवं समर्पित कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई है, जो संगठन के विस्तार और जनसंपर्क अभियानों को गति देंगे।

जिलाध्यक्ष ने कहा कि सभी पदाधिकारी ह्लसबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वासह्न के मूल मंत्र के साथ कार्य करते हुए पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाएंगे और जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देंगे।

मुख्य पदाधिकारी इस प्रकार हैं: जिला उपाध्यक्षः पंकज मिश्रा, राज पटेल, परविंद चौहान, अमित श्रीवास्तव, विनय सिंह, अजय सरोज, नीरज मौर्य, श्रीमती पुष्पा निषाद। जिला महामंत्रीः पीयूष गुप्ता, संदीप तिवारी, अजय सिंह।

जिला मंत्रीः संतोष मिश्रा, राजकेशर पाल, धर्मेंद्र मिश्रा, डॉ. देवी प्रसाद सिंह, श्रीमती अंशू, नीरज मौर्य, राजेश गुप्ता, सुधांशु सिंह, विकास शर्मा। जिला कोषाध्यक्षः श्रीमती रीता जायसवाल। जिला सह कोषाध्यक्षः नारायण दास चौरसिया।

जिला कार्यालय मंत्रीः दीपक सिंह (मान्टो)। जिला कार्यालय सह मंत्रीः घनश्याम यादव। जिला मीडिया प्रभारीः आमोद सिंह। जिला मीडिया सह प्रभारीः डॉ. अमरनाथ पाण्डेय, विशाल गौतम। जिला आईटी संयोजकः रोहन सिंह। जिला आईटी सह संयोजकः अमित पाठक, कुंवर दिग्विजय सिंह। जिला सोशल मीडिया संयोजकः सिद्धार्थ राय। जिला सोशल मीडिया सह संयोजकः अवनीश यादव, विजय यादव।

जिला मीडिया प्रभारी आमोद सिंह ने बताया कि इस नई कार्यकारिणी के गठन से जिले में संगठनात्मक गतिविधियों को नई गति मिलेगी और कार्यकर्ता अधिक उत्साह के साथ पार्टी कार्यक्रमों में भागीदारी सुनिश्चित करेंगे।

पेड़ से गिरकर बालक गंभीर रूप से घायल, जिला अस्पताल रेफर

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के उसरहटा गांव में गुरुवार शाम एक दर्दनाक हादसे में 12 वर्षीय बालक पेड़ से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद परिजनों में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार, गांव निवासी कामता प्रसाद का पुत्र रवि घर के बाहर लगे नीम के पेड़ पर चढ़कर डाल तोड़ रहा था। इसी दौरान अचानक उसका पैर फिसल गया और वह अनियंत्रित होकर नीचे गिर पड़ा, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद परिजन आनन-फानन में उसे उपचार के लिए राजकीय चिकित्सालय लेकर पहुंचे। जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। फिलहाल बालक का इलाज जारी है। घटना को लेकर क्षेत्र में चिंता का माहौल बना हुआ है।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का आरोप, आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर क्षेत्र के एक युवक पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, अंबेडकरनगर जनपद के जाफरगंज थाना क्षेत्र की रहने वाली एक विवाहिता ने आरोप लगाया है कि नगर के डीहवां भांदी निवासी सूरज मौर्या ने उसे शादी का झांसा देकर कई बार शारीरिक संबंध बनाए। पीड़िता का कहना है कि जब उसके परिजनों ने विवाह के लिए दबाव बनाया तो आरोपी मुकर गया। विरोध करने पर आरोपी द्वारा मारपीट किए जाने का भी आरोप लगाया गया है। पीड़िता ने थाने पहुंचकर आरोपी के खिलाफ तहरीर दी और न्याय की गुहार लगाई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म व मारपीट समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

उप संपादक डॉ.इम्तियाज अहमद ने दी जन्मदिन की बधाई

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तरशक्ति हिन्दी न्यूज ग्रुप के उप संपादक डॉ.इम्तियाज अहमद ने खेतासराय स्थित मॉर्डन कान्वेंट स्कूल के प्रधानाचार्य डॉ.इंतेखाब अहमद को उनके जन्मदिन के अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर विद्यालय में प्रधानाचार्य का जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विद्यालय परिवार के प्रबंधक डॉ.आबिद खान एवं शिक्षकों व कर्मचारियों ने डॉ. इंतेखाब अहमद के कुशल नेतृत्व, सरल स्वभाव एवं शिक्षा के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीघार्यु और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के दौरान डॉ.इंतेखाब अहमद ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे विद्यालय को निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर करने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करते रहेंगे। अंत में सभी ने ईश्वर से उनके सुख-समृद्धि, सफलता और निरंतर उन्नति की प्रार्थना की।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय की सम सेमेस्टर परीक्षाएं 15 अप्रैल से प्रस्तावित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर ने स्नातक एवं स्नातकोत्तर सम सेमेस्टर सत्र 2025-26 की परीक्षाओं को 15 अप्रैल 2026 से प्रारंभ करने का प्रस्ताव जारी किया है। इस संबंध में विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा कार्यालय ज्ञाप जारी कर सभी विभागाध्यक्षों, संकायाध्यक्षों तथा संबद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्यों को सूचित किया गया है। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह के निर्देश पर आगामी परीक्षाओं को सुव्यवस्थित एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए परीक्षा विभाग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि प्रस्तावित परीक्षा कार्यक्रम विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। यदि किसी छात्र के दो पेपर एक ही दिन निर्धारित हो गए हों या परीक्षा कार्यक्रम में किसी प्रकार की असुविधा अथवा आपत्ति हो, तो उसे 6 अप्रैल 2026 तक ई-मेल के माध्यम से examcontroller18219@gmail.com पर भेजना सुनिश्चित करें। परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार बीए, बीएससी एवं बीकॉम द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षाएं 15 अप्रैल से 12 मई 2026 तक आयोजित होंगी, जबकि षष्ठम सेमेस्टर की परीक्षाएं 15 अप्रैल से 20 मई 2026 तक चलेंगी। वहीं एमए, एमएससी एवं एमकॉम अष्टम और दशम सेमेस्टर की परीक्षाएं 17 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक प्रस्तावित की गई हैं।

भारत-ईरान संबंध मजबूत करना राष्ट्रीय हित में: मोहम्मद अरशद खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नई दिल्ली समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव, भारत किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक जौनपुर सदर मोहम्मद अरशद खान ने शुक्रवार को एक अंतरराष्ट्रीय बयान जारी करते हुए कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में भारत-ईरान संबंधों को और मजबूत करना देश के राष्ट्रीय हित में है।

उन्होंने कहा कि ईरान भारत के लिए एक महत्वपूर्ण ऊर्जा साझेदार होने के साथ-साथ एशिया और यूरोप के बीच रणनीतिक कड़ी का कार्य करता है। दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ने से भारत को सस्ती दरों पर तेल और गैस की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित हो सकती है, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

मोहम्मद अरशद खान ने चाबहार पोर्ट के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह भारत के लिए अफगानिस्तान, मध्य एशिया और रूस तक व्यापारिक पहुंच का एक सुरक्षित और वैकल्पिक मार्ग प्रदान करता है। इससे न केवल व्यापार को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि पाकिस्तान पर निर्भरता भी कम होगी।

उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य को वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का अहम मार्ग बताते हुए कहा कि भारत-ईरान संबंध बेहतर होने से इस मार्ग पर भारतीय जहाजों का सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित किया जा सकता है।

केंद्र सरकार से उन्होंने आग्रह किया कि वह अंतरराष्ट्रीय दबावों से ऊपर उठकर स्वतंत्र और संतुलित विदेश नीति अपनाए, जिसमें देश के दीर्घकालिक हित सर्वोपरि हों।

उन्होंने कहा कि भारत को अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखते हुए ईरान के साथ आर्थिक, ऊर्जा और व्यापारिक साझेदारी को प्राथमिकता देनी चाहिए।

मोहम्मद अरशद खान ने यह भी कहा कि भारत-ईरान संबंधों की मजबूती एशिया में शांति, स्थिरता और आर्थिक विकास को बढ़ावा देगी। अंत में उन्होंने कहा, मजबूत भारत के लिए मजबूत कूटनीति और संतुलित वैश्विक संबंध जरूरी हैं।

मछलीशहर में भाजपा का महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम, पारिजात मयंक सोनकर ने किया संबोधित

मछलीशहर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विधानसभा मछलीशहर क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी द्वारा महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय सुशीला पैलेस में किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण के रूप में समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक एवं मंत्री (वर्तमान में भाजपा नेता) जगदीश सोनकर की बहू पारिजात मयंक सोनकर ने महिलाओं को संबोधित किया। उन्होंने अपने वक्तव्य में महिलाओं को शिक्षा, आत्मनिर्भरता और सामाजिक भागीदारी के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि आज की नारी हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही है और उसे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहना चाहिए। उन्होंने केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न महिला कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए महिलाओं से इनका लाभ उठाने का आह्वान किया। साथ ही महिलाओं को संगठित होकर समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के दौरान अन्य वक्ताओं ने भी महिला सशक्तिकरण पर अपने विचार रखे। अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित महिलाओं का आभार व्यक्त किया।

एमसीसी स्कूल में स्वास्थ्य शिविर, बच्चों व अभिभावकों को किया गया जागरूक

शिव पूजन पाण्डेय

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर स्थित एमसीसी स्कूल परिसर में आयोजित स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें उपयोगी सलाह दी।

शिविर में नेत्र विशेषज्ञ डॉ. देवेंद्र कुमार यादव (एम्स, नई दिल्ली) एवं दंत चिकित्सक डॉ. नरेंद्र यादव ने भाग लिया। उन्होंने बच्चों का परीक्षण करते हुए स्वच्छता, संतुलित आहार और नियमित जांच की आवश्यकता पर जोर दिया। इस दौरान बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला। डॉक्टरों द्वारा दी गई जानकारी से अभिभावकों में भी स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ी।

कार्यक्रम में विद्यालय की प्रबंधक शशि यादव, अनिल यादव, प्रिंसिपल आस्था जायसवाल (हेड ब्रांच बदलापुर), प्रिंसिपल सच्चिदानंद यादव (सरोखनपुर) सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

अंत में उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अनिल यादव ने सभी अतिथियों एवं अभिभावकों का आभार व्यक्त किया। विद्यालय प्रबंधन ने इसे विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया।

कंपोजिट विद्यालय आदमपुर में नवप्रवेश उत्सव एवं विदाई समारोह धूमधाम से संपन्न

बरसठी,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कंपोजिट विद्यालय आदमपुर के प्रांगण में नवप्रवेश उत्सव एवं विदाई समारोह हर्षोल्लास एवं भावपूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सहायक विकास अधिकारी प्रदीप कुमार द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय में नवप्रवेश लेने वाले छात्रों का स्वागत किया गया, वहीं पुरातन एवं मेधावी छात्रों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। छात्र-छात्राओं ने नृत्य, गीत एवं नाट्य प्रस्तुतियों के माध्यम से सभी का मन मोह लिया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुभाष सरोज ने ह्लस्कूल चलो अभियानह्व पर विशेष बल देते हुए अभिभावकों से शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने की अपील की। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित समाजसेवी जयशंकर यादव एवं सोधईराम यादव ने भी छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान शिवकुमार यादव, एसएमसी अध्यक्ष जवाहरलाल यादव, प्राथमिक शिक्षा संघ के ब्लॉक अध्यक्ष अरुण कुमार यादव सहित अन्य गणमान्य अतिथियों ने नवोदय विद्यालय में चयनित हर्ष सिंह एवं इंस्पायर अवार्ड प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाली अर्चना यादव को माल्यार्पण कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर अभिभावक नीरज सिंह, ए आर पी शिवानंद यादव, शिवनारायण यादव, विद्यालय परिवार एवं ग्राम के सम्मानित नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन राम सजीवन यादव ने कुशलतापूर्वक किया। अंत में वरिष्ठ अध्यापक विनोद कुमार यादव ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

जिलाधिकारी द्वारा फसल की कटाई प्रयोग का किया गया निरीक्षण, उपज का हुआ आकलन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र द्वारा जनपद में संचालित फसल कटाई (क्रॉप कटिंग) कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया गया।

जिलाधिकारी द्वारा तहसील सदर के ग्राम महरूपुर के कृषक हरिश चन्द्र के रेंडम चयनित गाटा नम्बर 1798 में गेहूं फसल की सीसीई एग्री एप के माध्यम से फसल कटाई प्रयोग का निरीक्षण किया गया। फसल कटाई प्रयोग में रेंडम चयनित गाटा नम्बर में 10.10.10 मीटर के समबाहु त्रिभुज से 43.3 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में कटाई कराई गई, जिसमें 18 किग्रा 320 ग्राम वजन प्राप्त हुआ इस प्रकार 42.30 कुंटल प्रति हेक्टेयर गेहूं की उत्पादकता प्राप्त हुई।

क्रॉप कटिंग के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि फसल कटाई के कार्य को पूर्ण पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ संपन्न कराया जाए। उन्होंने कहा कि क्रॉप कटिंग के आंकड़े किसानों के हितों से सीधे जुड़े होते हैं, अतः इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता न बरती जाए।

इस अवसर पर जिला कृषि अधिकारी विनय सिंह, उप परियोजना निदेशक आत्मा डा. रमेश चंद्र यादव, तहसीलदार सौरभ कुमार, सांख्यिकी विभाग से सुरेन्द्र प्रताप सिंह, लेखपाल शिखा शुक्ला, बीमा प्रतिनिधि राकेश गुप्ता सहित संबंधित विभागीय अधिकारी, कर्मचारी एवं कृषक उपस्थित रहे।

पर्यावरणीय कारणों से बिल्डरों पर लगाए गए स्टॉप वर्क नोटिस हटाने की मांग

-रमेश प्रजापति

मुंबई (उत्तरशक्ति)। पर्यावरणीय कारणों के चलते मुंबई शहर में चल रही सभी निर्माण परियोजनाओं पर लगाए गए स्टॉप वर्क नोटिस को हटाने की मांग उठाई गई है। इस संदर्भ में संबंधित अधिकारियों को दिए गए निवेदन में कहा गया है कि पर्यावरण संरक्षण का महत्व सभी बिल्डर पूरी तरह समझते हैं और उसका पालन भी कर रहे हैं। कई निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण के लिए पानी का छिड़काव, ग्रीन नेट का उपयोग, मलबा प्रबंधन तथा अन्य आवश्यक पर्यावरणीय नियमों का सख्ती से पालन किया जा रहा है। निवेदन में यह भी बताया गया है कि बिल्डरों द्वारा प्रशासन के सभी दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए गए हैं। इसलिए मांग की गई है कि जिन निर्माण स्थलों पर सभी पर्यावरणीय मानकों का सही तरीके से पालन हो रहा है, वहां लगाए गए स्टॉप वर्क नोटिस को हटाया जाए, ताकि निर्माण कार्य दोबारा शुरू हो सके और इससे जुड़े हजारों कामगारों के रोजगार पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। प्रशासन से इस विषय में सकारात्मक निर्णय लेने की अपेक्षा जताई गई है।

संघर्ष और मेहनत का शानदार उदाहरण हैं राहुल : सुनील यादव

करंजाकला विकासखण्ड के पचेवरा गांव में सफाईकर्मी त्रिलोकी के निवास स्थान पर सम्मान समारोह का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। करंजाकला विकासखण्ड के पचेवरा गांव में शुक्रवार को सफाईकर्मी त्रिलोकी के निवास स्थान पर सम्मान समारोह आयोजित हुआ। यह समारोह उनके बेटे राहुल गौतम के पीसीएस परीक्षा उत्तीर्ण करने पर आयोजित किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के लोगों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विकासखण्ड के गांव निवासी राहुल गौतम ने यूपीपीसीएस परीक्षा उत्तीर्ण कर अपने परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। यहां क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने उन्हें बधाई दी। ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि सुनील कुमार यादव मम्मन ने राहुल गौतम को सम्मानित करते हुए कहा कि सीमित संसाधनों के बीच इतनी बड़ी सफलता हासिल करना आसान नहीं होता। राहुल ने अपनी कड़ी मेहनत, लगन और संघर्ष के दम पर यह मुकाम हासिल किया है। यह उपलब्धि समाज के अन्य युवाओं के लिए एक मिसाल है। उन्होंने कहा कि यह सफलता केवल राहुल की नहीं, बल्कि उन सभी परिवारों की जीत है जो कठिन परिस्थितियों में भी अपने बच्चों के सपनों को जीवित रखते हैं। कहा कि उनकी यह उपलब्धि क्षेत्र के हजारों युवाओं को प्रेरित करेगी।

कार्यक्रम में पंकज मिश्रा, लालमन, ग्राम प्रधान हिमांचल, बीडीसी राकेश, रवि यादव, प्रदीप कुमार सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

आग से ढाई बीघे गेहूं की फसल जलकर राख

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। चन्दवक के डोभी क्षेत्र के खुज्झी गांव में शुक्रवार दोपहर लगभग 12 बजे बिजली के तार में शॉर्ट सर्किट होने से भीषण आग लग गई। जिससे गेहूं की खड़ी फसल जलकर खाक हो गई। इस घटना में करीब ढाई बीघे गेहूं की फसल के नुकसान की बात सामने आई है। ग्रामीणों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का प्रयास किया और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक काफी नुकसान हो चुका था।

गांव निवासी जंग बहादुर यादव यपुत्र राजाराम यादवद्ध ने बताया कि उनकी लगभग दो बीघे गेहूं की फसल जल गई। वहीं प्रमिला सिंह यपत्नी स्वण काशीनाथ सिंहद्ध के अनुसारए उन्हें करीब 5 बिस्सा फसल का नुकसान हुआ है। गांव के ही नरेंद्र यादव ने ट्रैक्टर की मदद से आग बुझाने में अहम भूमिका निभाई। इस दौरान आग बुझाने के प्रयास में वे हल्का झुलस भी गए।जानकारी मिलने पर बिजली विभाग के कर्मचारी और राजस्व विभाग के लेखपाल उमेश सोनकर मौके पर पहुंचे और नुकसान का आकलन करने में जुट गए हैं।

बसुही नदी पर बने नव सेतु का डीएम ने किया निरीक्षण, आवागमन होगा सुगम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने तहसील मड़ियाहूं क्षेत्र के अंतर्गत बसुही नदी पर नगेसरा घाट के पास निर्मित नव सेतु का आकस्मिक निरीक्षण किया। यह पुल नगेसरा और पुरेल्ला गांव के मध्य बनाया गया है, जिसमें मुख्य सेतु के साथ पहुंच मार्ग, अतिरिक्त पहुंच मार्ग एवं सुरक्षात्मक कार्य भी शामिल हैं।

बताया गया कि सेतु की कुल लंबाई 71.480 मीटर है तथा इसकी कुल लागत लगभग 1130 लाख रुपये है। इस परियोजना का निर्माण उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम लिमिटेड द्वारा कराया गया है।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री के निदेर्शानुसार जनपद में चल रही सभी निमार्णाधीन परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा कराया जा रहा है। इस पुल के निर्माण कार्य की भी लगातार निगरानी की गई, जिसके परिणामस्वरूप अब यह पूर्ण होकर तैयार हो चुका है।

उन्होंने कहा कि पुल के बन जाने से विशेष रूप से बरसात के मौसम में आसपास के गांवों के लोगों को आवागमन में काफी सुविधा मिलेगी और क्षेत्रीय विकास को भी गति मिलेगी। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी मड़ियाहूं सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर का कैलाशपति पर भव्य स्वागत, विपक्ष पर साधा निशाना

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शुक्रवार को उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर भाजपा के वरिष्ठ नेता ज्ञान प्रकाश सिंह के आवास कैलाशपति पहुंचे, जहां उनका जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान उन्हें अंगवस्त्रम, पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में बिना भेदभाव के विकास कार्य तेजी से हो रहे हैं। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके पास कोई ठोस मुद्दा नहीं बचा है, इसलिए वे केवल बयानबाजी कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था मजबूत हुई है और बहन-बेटियां सुरक्षित हैं। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार बड़े पैमाने पर निवेश लाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री द्वारा हाल ही में सिंगापुर और जापान की यात्रा भी इसी दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम है। आने वाले समय में उत्तर प्रदेश देश में विकास का एक मॉडल बनकर उभरेगा। वहीं भाजपा नेता ज्ञान प्रकाश सिंह ने मंत्री के आगमन पर आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह एक शिष्टाचार भेंट थी, जिससे संगठनात्मक समन्वय और मजबूत होगा। इस मौके पर सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के कई कार्यकर्ता व पदाधिकारी भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

पीडब्ल्यू ने बिहार बोर्ड के दसवीं और बारहवीं के टॉपर छात्रों को किया सम्मानित

पटना (उत्तरशक्ति)। फिजिक्सवाला (पीडब्ल्यू) ने बिहार बोर्ड की कक्षा 10 और 12 के परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद अपने बिहार बोर्ड वाला से जुड़े मेधावी छात्रों को पटना में आयोजित एक समारोह में सम्मानित किया। इस अवसर पर छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धियों को सराहा गया। कक्षा 12 में, साक्षी कुमारी और सपना कुमारी ने 95.8 प्रतिशत अंकों के साथ राज्य में दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि पलक कुमारी ने 95 प्रतिशत के साथ राज्य में पाँचवाँ स्थान प्राप्त कर टॉप स्कोरर्स में जगह बनाई। वहीं कक्षा 10 में, प्रेरणा कुमारी ने 97.2 प्रतिशत के साथ राज्य में पाँचवाँ स्थान और रौशन कुमार ने 97 प्रतिशत के साथ छठा स्थान हासिल किया, जिससे वे भी टॉप प्रदर्शन करने वाले छात्रों में शामिल हुए। कक्षा 12 के 70 से अधिक छात्रों ने 90 प्रतिशत और उससे अधिक अंक प्राप्त किए, जबकि कक्षा 10 के करीब 100 छात्रों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए। यह पीडब्ल्यू के बिहार बोर्ड वाला से जुड़े छात्रों के लगातार अच्छे प्रदर्शन को दर्शाता है। यह छात्रों को कॉन्सेप्ट पर आधारित पढ़ाई, प्रैक्टिस मटेरियल और रिवीजन सपोर्ट के माध्यम से व्यवस्थित शैक्षणिक सहायता प्रदान करने पर केंद्रित रहा है।

इस अवसर पर बोलते हुए फिजिक्सवाला (पीडब्ल्यू) के संस्थापक और सीईओ अलख पांडेय ने कहा कि ये परिणाम छात्रों की मेहनत को दर्शाते हैं। बोर्ड परीक्षा की तैयारी एक लंबी प्रक्रिया होती है, और हमने इसे आसान बनाने के लिए व्यवस्थित कंटेंट और नियमित अभ्यास पर ध्यान दिया है। इससे छात्रों को पढ़ाई में स्पष्टता मिलती है, और इसे अच्छे परिणामों में बदलते देखना उत्साहजनक है। अपना अनुभव साझा करते हुए, कक्षा 10 की प्रेरणा कुमारी ने कहा कि मैंने नियमित रिवीजन और पेपर सॉल्व करने पर ध्यान दिया, और पीडब्ल्यू के सपोर्ट ने मुझे परीक्षा के दौरान आत्मविश्वास बनाए रखने में मदद की। वहीं कक्षा 12 की साक्षी कुमारी ने कहा कि समय पर सिलेबस पूरा करना और बार-बार रिवीजन करना मेरी तैयारी में लगातार मददगार रहा। इस सम्मान समारोह में छात्र, अभिभावक और शिक्षक शामिल हुए। इसका उद्देश्य छात्रों की मेहनत और उनकी पूरी शैक्षणिक यात्रा को सराहना था। हर साल बड़ी संख्या में छात्र बिहार बोर्ड की परीक्षाओं में शामिल होते हैं, ऐसे में इस तरह के परिणाम यह दिखाते हैं कि राज्य भर में छात्रों के लिए व्यवस्थित तैयारी और सही शैक्षणिक मार्गदर्शन कितना महत्वपूर्ण होता जा रहा है।

नायब तहसीलदार बनने पर हिमालय सिंह का हुआ सम्मान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर तहसील क्षेत्र के बेसहूपुर, घनश्यामपुर निवासी हिमालय सिंह के नायब तहसीलदार पद पर चयनित होने पर शिक्षकों द्वारा उनका सम्मान किया गया। इस उपलब्धि से क्षेत्र में खुशी का माहौल है। बताया जाता है कि हिमालय सिंह, अजय सिंह के पुत्र हैं। उनके पिता प्राथमिक विद्यालय में प्रधानाध्यापक के पद पर कार्यरत हैं, जबकि माता गृहणी हैं। हिमालय सिंह ने प्रारंभिक शिक्षा गांव के ही प्राथमिक विद्यालय से प्राप्त की। इसके बाद श्री बजरंग इंटर कॉलेज, घनश्यामपुर से इंटरमीडिएट तथा इलाहाबाद विश्वविद्यालय से स्नातक व स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी की। कड़ी मेहनत और लगन के दम पर उन्होंने प्रथम प्रयास में ही पीसीएस परीक्षा उत्तीर्ण कर नायब तहसीलदार पद प्राप्त किया। उनका लक्ष्य आगे चलकर आईएएस बनना है। सेवानिवृत्त शिक्षक एवं वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे के नेतृत्व में शिक्षकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने उनके आवास पहुंचकर उन्हें सम्मानित किया। इस दौरान मयाशंकर तिवारी, हृदय प्रकाश तिवारी, पुष्यमित्र दुबे, प्राथमिक शिक्षक संघ के बदलापुर अध्यक्ष उमेश मिश्रा, जिला मंत्री प्रमोद कुमार यादव, शशिधर तिवारी तथा डॉ. जेपी शर्मा सहित कई लोग उपस्थित रहे।

इस अवसर पर हिमालय सिंह के पिता अजय सिंह ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

पुरानी पेंशन और मांगों को लेकर आर-पार की जंग, जौनपुर के शिक्षक दिल्ली रवाना

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जनपद में शिक्षकों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर अब आर-पार की लड़ाई का बिगुल फूंक दिया है। ळएळ (शिक्षक पात्रता परीक्षा) से जुड़ी विसंगतियों, पुरानी पेंशन बहाली समेत विभिन्न मुद्दों पर आक्रोशित शिक्षकों का एक बड़ा जत्था शुक्रवार को दिल्ली के लिए रवाना हुआ। जनपद के विभिन्न विकास खंडों से बड़ी संख्या में शिक्षक एकत्र होकर केंद्र सरकार तक अपनी आवाज बुलंद करने के उद्देश्य से संगठित हुए। शिक्षकों का कहना है कि वे लंबे समय से शांतिपूर्ण ढंग से अपनी मांगों को उठा रहे हैं, लेकिन समाधान न मिलने के कारण अब उन्हें दिल्ली कूच करना पड़ा है। शिक्षकों ने बताया कि वे दिल्ली के रामलीला मैदान में पहुंचकर विशाल प्रदर्शन करेंगे और अपनी एकजुटता का परिचय देंगे। इसके लिए शिक्षकों ने निजी टूरिस्ट बस की व्यवस्था कर सामूहिक रूप से यात्रा शुरू की। रवाना होते समय शिक्षकों में जोश, उत्साह और अपने अधिकारों को लेकर दृढ़ संकल्प साफ देखने को मिला।

प्रमुख मांगें इस प्रकार हैं:

TET विसंगतियों का निराकरण एवं परीक्षा प्रक्रिया में सुधार पुरानी पेंशन योजना (OPS) की बहाली विभागीय उत्पीड़न और कठोर नियमों पर रोक इस आंदोलन में ब्लॉक अध्यक्ष उमानाथ यादव, रामपाल, अशोक यादव, मोहम्मद अली, नन्हे अली, समर बहादुर यादव, जंग बहादुर यादव, फिरोज, लाल साहब सहित बड़ी संख्या में शिक्षक शामिल रहे।

गृह प्रवेश समारोह में ज्ञानेंद्र सिंह यादव का हुआ सम्मान, समाज सेवा के लिए सराहे गए

वापी(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र में आयोजित एक भव्य गृह प्रवेश समारोह में किलर कंपनी के जीएम ज्ञानेंद्र सिंह यादव का सम्मान किया गया। इस अवसर पर उत्तर यादव युवा संघ के राष्ट्रीय प्रवक्ता कैलाश चंद्रधारी यादव, गुजरात प्रदेश अध्यक्ष हरीराम यादव, तथा सीबी ग्लोबल ट्रेडिंग कंपनी के प्रबंधक संदीप कैलाश यादव विशेष रूप से उपस्थित रहे।

समारोह के दौरान अतिथियों ने ज्ञानेंद्र सिंह यादव को अंगवस्त्र और पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर गुजरात प्रदेश अध्यक्ष हरीराम यादव ने कहा कि ज्ञानेंद्र सिंह यादव समाज के प्रति निष्ठावान और समर्पित व्यक्ति हैं, जो हर परिस्थिति में तन, मन और धन से समाज की सेवा के लिए तत्पर रहते हैं।

राष्ट्रीय प्रवक्ता कैलाश चंद्रधारी यादव ने अपने संबोधन में बताया कि महाराष्ट्र की धरती पर आयोजित उत्तर यादव युवा संघ के महोत्सव में ज्ञानेंद्र सिंह यादव का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उन्होंने न केवल महोत्सव में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, बल्कि पूरे यादव समाज और संगठन की कार्यकारिणी का मनोबल भी बढ़ाया। उन्होंने आगे कहा कि गृह प्रवेश समारोह में आमंत्रित कर सम्मान देने के लिए वे संगठन की ओर से ज्ञानेंद्र सिंह यादव और उनके परिवार के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। समारोह का समापन ह्लजय श्री कृष्णह्व के उद्घोष के साथ हुआ।

वसई तालुका में एडिशनल तहसीलदार ऑफिस को मंजूरी

वसई रोड। वसई तालुका में तेजी से हो रहे शहरीकरण को ध्यान में रखते हुए, भाजपा विधायक राजन नाईक की लंबे समय से चली आ रही मांग को आखिरकार मंजूरी मिल गई है। राज्य सरकार ने गुरुवार को एक सरकारी निर्णय जारी करते हुए वसई तालुका में एक स्वतंत्र (इंडिपेंडेंट) एडिशनल तहसीलदार ऑफिस स्थापित करने की स्वीकृति दे दी है। गौरतलब है कि वसई का मौजूदा तहसीलदार कार्यालय नालासोपारा और विरार जैसे प्रमुख क्षेत्रों से काफी दूर स्थित है, जिससे नागरिकों को प्रशासनिक कार्यों के लिए असुविधा का सामना करना पड़ता है। इसी समस्या को देखते हुए विधायक राजन नाईक ने 28 जनवरी 2025 और 1 अगस्त 2025 को राज्य के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले से नालासोपारा या विरार में अलग से एडिशनल तहसीलदार कार्यालय शुरू करने की मांग की थी। इसके बाद 11 अगस्त 2025 को सह्याद्री गेस्ट हाउस, मुंबई में आयोजित एक समीक्षा बैठक में भी राजस्व मंत्री ने इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए थे। अब राज्य सरकार के राजस्व विभाग द्वारा जारी नए संरचनात्मक निर्णय के तहत वसई तालुका में एडिशनल तहसीलदार ऑफिस को आधिकारिक मंजूरी मिल गई है। इससे जल्द ही नालासोपारा या विरार में से किसी एक स्थान पर यह नया कार्यालय शुरू होने का रास्ता साफ हो गया है। विधायक राजन नाईक ने इस फैसले के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले का आभार व्यक्त किया है।

हनुमान जन्मोत्सव पर भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम, भव्य शोभा यात्रा व सुरमयी भजनों से गुंजायमान हुआ पटना

पटना(उत्तरशक्ति)। हिन्दू सेवा ट्रस्ट, बिहार द्वारा पंचम हनुमान जन्मोत्सव का आयोजन इस वर्ष अत्यंत भव्य और आकर्षक रूप में किया गया, जिसने पूरे शहर को भक्ति और उत्साह के रंग में रंग दिया। कार्यक्रम की शुरूआत भव्य शोभा यात्रा के साथ हुई, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालु हाथों में भगवा ध्वज लिए, जय श्रीराम और बजरंगबली के जयकारों के साथ शामिल हुए। शोभा यात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए कंकड़बाग टेंपो स्टैंड चौराहा पहुँची हुए जहां श्रद्धालुओं द्वारा पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। यात्रा के दौरान आकर्षक झांकियां, ढोल-नगाड़ों की गूंज और भक्तों की ऊर्जा ने वातावरण को पूरी तरह भक्तिमय बना दिया। इस अवसर पर आयोजित भजन संध्या कार्यक्रम में भोजपुरी गायिका अनुपमा यादव, निशा उपाध्याय, मनीषा श्रीवास्तव, गायक विनोद ग्वार, दीपक तिवारी, शिवेश मिश्रा सहित बिहार के प्रसिद्ध भजन गायकों ने अपनी मधुर प्रस्तुतियों से श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति ने उपस्थित जनसमूह को देर रात तक भक्ति रस में डूबे रहने को विवश कर दिया। पूरा परिसर जय हनुमान और जय श्रीराम के उद्घोष से गूंजता रहा। इस अवसर पर अभिनेत्री रक्षा गुप्ता ने भी भक्तों का उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम में बिहार सरकार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, कृषि मंत्री रामकृपाल यादव, कुम्हरार विधायक संजय गुप्ता, पूर्व विधायक अरुण सिन्हा, विधान पार्षद संजय मयूख, पटना की महापौर सीता साहू, उपमहापौर रेशमी चंद्रवंशी सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के पूर्व भक्तों द्वारा 150 यूनिट रक्तदान भी किया गया। इस हनुमान जन्मोत्सव पर हनुमान जी को 1501 किलो लड्डू और 56 भी अर्पित किया गया। इसके साथ ही 2500 भक्तों द्वारा हनुमान चालीसा का पाठ भी किया गया। इसके अतिरिक्त सामूहिक सुन्दरकाण्ड पाठ, महाआरती एवं प्रसाद वितरण का भी भव्य आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर पुण्य अर्जित किया। कार्यक्रम में प्रख्यात चिकित्सक डॉ. अलोक अभिजीत, शिक्षाविद गुरु रहमान, समाजसेवी गोपाल कृष्ण, पत्रकार विनोद बंधू को सम्मानित भी किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष दीपक अग्रवाल ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य समाज में धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक मूल्यों और सामाजिक एकता को सुदृढ़ करना है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं, सहयोगियों एवं प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी इस आयोजन को और अधिक भव्य स्वरूप दिया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में ट्रस्ट के दीपक बिहारी, कामाख्या नारायण तिवारी, कामेश्वर प्रसाद, अनिल शर्मा, बासु दत्त सिन्हा, रोहित शर्मा, राजेश सिंह, संजय सिंह, प्रेम कुमार, अभिषेक सर्राफ, मनीष बनेठिया, मयूर पोद्दार, मधुप मणि पिक्कू, अनूप तिवारी की अहम भूमिका रही। कार्यक्रम में कई गणमान्य व्यक्तियों, सामाजिक कार्यकताओं एवं स्थानीय नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिससे आयोजन की शोभा और भी बढ़ गई।

विद्युत उपकेंद्र में शराब पीने वाले जेई और टेक्नीशियन निलंबित

मऊ (उत्तरशक्ति)। मऊ जिले के खैराबाद विद्युत उपकेंद्र में शराब पीने का वीडियो संज्ञान में आने के बाद जेई और टेक्नीशियन पर गाज गिरी। बिजली निगम के अधीक्षण अभियंता ने दोनों को निलंबित कर दिया। मऊ जिले के खैराबाद विद्युत उपकेंद्र के स्टोर रूप में बैठकर शराब पीने के मामले में बिजली निगम के अधीक्षण अभियंता ने जेई और अधिशासी अभियंता ने टेक्नीशियन को निलंबित कर दिया। दोनों मुहम्मदाबाद गोहना तहसील के खैराबाद विद्युत उपकेंद्र पर तैनात थे।

अधीक्षण अभियंता मागेंद्र कुमार और अधिशासी अभियंता महेश चंद्र विश्वकर्मा ने बताया कि दो अप्रैल को उनके पास एक वीडियो किसी ने भेजा। उस वीडियो में खैराबाद विद्युत उपकेंद्र के जेई सत्येंद्र कुमार और टक्नीशियन अरविंद कुमार स्टोर रूम में बैठकर शराब पीते नजर आ रहे हैं। इससे विभाग की छवि धुमिल हुई है।

मराठी जी5 लेकर आ रहा है धमाकेदार और सुपरहिट मराठी फि ल्म: रुबाब

ठाणे/नवी मुंबई। इस साल की शुरूआत में रिलीज हुई फि ल्म रुबाब, सिनेमाघरों में दर्शकों का दिल जीतने के बाद अब मराठी जी5 पर अपने डिजिटल प्रीमियर के साथ और भी ज्यादा दर्शकों तक पहुँचने के लिए पूरी तरह तैयार है। रोमांस, ड्रामा और जज्बातों से भरी यह फि ल्म आत्मसम्मान, आपसी रिश्तों और इंसान की शख्सियत को आकार देने वाले फैसलों से जुड़ी कहानी पेश करती है। असल में, रुबाब सूरज और वैशाली के सफर की कहानी है – और दोनों मजबूत इरादों वाले ऐसे इंसान हैं जिनकी ज़िंदगी प्यार के जरिए एक-दूसरे से जुड़ती है, लेकिन आगे चलकर हालात और उनका खुद का वजूद ही उनके इस रिश्ते का इम्तिहान लेता है। धीरे-धीरे उनके गहरे होते रिश्ते के साथ-साथ यह फि ल्म इस बात को दिखाती है कि कैसे अभिमान, अहंकार और जज्बात इंसानी रिश्तों को मजबूत भी कर सकते हैं और उनके बीच मुश्किलें भी खड़ी कर सकते हैं। रोमांस, एक्शन और जज्बात से भरे लम्हों के बेहतर तालमेल वाली फि ल्म, रुबाब में रिश्तों के उतार-चढ़ावों को बखूबी दिखाया गया है, साथ ही यह भी बताया गया है कि इंसान के लिए उसका आत्मसम्मान और खुद की पहचान कितना जरूरी है। संभाजी ससाने, शीतल पाटिल, विशाल शिरतोडे, अभिजीत साकाते और सिमरन खेड़कर के बेहतरीन अभिनय वाली इस फिल्म को सिनेमाघरों में बेहद दिलचस्प कहानी और कलाकारों के शानदार प्रदर्शन के लिए भरपूर तारीफ मिली। अपने डिजिटल प्रीमियर के साथ, रुबाब अब दुनिया भर के दर्शकों तक पहुँचने के लिए तैयार है, जिससे मराठी में कहानियाँ बयां करने की कला को एक बड़ा प्लेटफॉर्म मिलेगा। जी5 पर डिजिटल प्रीमियर के बारे में बात करते हुए, हेमा वी. आर., चीफ चैनल ऑफि सर - जी मराठी एवं बिजनेस हेड झमराठी जी5, ने कहा, रुबाब असल में रिश्तों की दिल को छू लेने वाली कहानी है– ये कहानी है उस आत्मसम्मान की जो हर पल हमारे साथ है, उस प्यार का जिसकी हम हिफाजत करते हैं, और ये हमारे वजूद को तय करने वाले जज्बातों की कहानी है। फि ल्म के निर्देशक, शेखर बापू रणखम्बे ने कहा, ह्रुबाब की कहानी प्यार, आत्मसम्मान और उन फैसलों से जुड़ी है, जो लोग तब लेते हैं जब दिल के जज्बातों और इंसान के घमंड के बीच टकराव हो।

भगवान परशुराम हमारी संस्कृति और सनातन परंपरा के प्रतीक : रमेश चंद्र मिश्र

***भगवान परशुराम की भव्य प्रतिमा स्थापित, अक्षय तृतीया पर होंगे दर्शन**

*** जनपद के कुल्हनामऊ में हुई स्थापना, 19 अप्रैल को वैदिक विधि से पूजन के बाद सुलभ होंगे आम लोगों के लिए दर्शन**

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।जनपद में बहुप्रतिक्षित भगवान परशुराम की भव्य प्रतिमा गुरुवार को हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर स्थापित कर दी गई। बदलापुर भाजपा विधायक रमेश चंद्र मिश्र ने वैदिक मंत्रोच्चार विशेष पूजा अर्चना करके विधिवत पूजन के उपरांत जयघोष के साथ मूर्ति स्थापना की। बाईपास स्थित कुल्हनामऊ में कुशल इंजीनियरों और वास्तुकारों की देखरेख में विधिवत स्थापित किया गया। विधायक रमेश चंद्र मिश्र ने कहा कि भगवान परशुराम हमारी संस्कृति और सनातन परंपरा के प्रतीक हैं। उनकी भव्य प्रतिमा की स्थापना जनपद के लिए गर्व का विषय है।यह स्थान आने वाले समय में श्रद्धालुओं के लिए आस्था का प्रमुख केंद्र बनेगा। हम सभी का प्रयास है कि समाज में सांस्कृतिक और धार्मिक चेतना को और सशक्त किया जाए।

प्रतिमा का विधिवत पूजन 19 अप्रैल को अक्षय तृतीया के दिन परशुराम जन्मोत्सव के अवसर पर 51 बटुक ब्राह्मणों द्वारा वैदिक रीति-रिवाज से किया जाएगा, जिसके बाद इसे आम दर्शन के लिए खोल दिया जाएगा। भव्य लोकार्पण समारोह की तिथि बाद में घोषित की जाएगी। प्रतिमा को जयपुर से ट्रक के माध्यम से लाया गया था, जिसे विशेषज्ञ इंजीनियरों और वास्तुकारों के निर्देशन में स्थापित किया गया। स्थापना से पूर्व आधार स्तंभ का विधिवत पूजन-अर्चन कराया गया। पंडित मुरलीधर चैरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टी एवं उद्योगपति प्रमोद पाठक ने बताया कि इस पूरी प्रक्रिया के प्रेरक और सूत्रधार बदलापुर के विधायक रमेश चंद्र मिश्र हैं। उनके मार्गदर्शन में ही यह कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। ट्रस्ट की ओर से इस पुनीत कार्य के लिए केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी एवं विधायक रमेश चंद्र मिश्र के प्रति आभार व्यक्त किया गया है।

वसई ईस्ट में पब्लिक सर्विस ऑफिस का उद्घाटन, नागरिकों को मिलेगी त्वरित सहायता

वसई रोड। वसई ईस्ट के मांगल्या पाटिल चौक, गवराईपाड़ा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी के वार्ड 18 के कॉर्पोरेटर गणेश मंजुला बालकृष्ण पाटिल के पब्लिक सर्विस ऑफिस का उद्घाटन बड़े ही उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम का उद्घाटन महाराष्ट्र राज्य के वन मंत्री एवं पालघर जिले के पालकमंत्री गणेश नाईक की उपस्थिति में किया गया।इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह में भारी उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम में शामिल लोगों ने उम्मीद जताई कि यह पब्लिक सर्विस ऑफिस स्थानीय नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान और जनसंवाद को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।कार्यक्रम में वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित, पालघर लोकसभा सांसद डॉ. हेमंत विष्णु सावरा, भाजपा वसई-विरार शहर जिला अध्यक्ष एवं कॉर्पोरेटर श्रीमती प्रज्ञा पाटिल सहित कई जनप्रतिनिधि और पदाधिकारी उपस्थित रहे। इनके साथ कॉर्पोरेटर अपर्णा पाटिल, निम्मी निपुण दोशी, रितु चौबे, पिंकी राठौड़, ख्याति घरत, जेपी सिंह, गंगेश्वर श्रीवास्तव, विशाल जाधव, पंकज देशमुख, नीलेश चौधरी, किशोर पाटिल और जितेंद्र पाटिल भी मौजूद रहे।इसके अलावा बोर्ड प्रेसिडेंट कुणाल घरत, गोविंदा गुंजालकर, पूर्व कॉर्पोरेटर छोटू आनंद, गणेश धूमल, देवराज सिंह, निपुण दोशी, हरीश बेदी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता कार्यक्रम में शामिल हुए।इस भव्य उद्घाटन समारोह के बाद क्षेत्र में सकारात्मक माहौल बना है। स्थानीय लोगों को अब अपनी समस्याओं के समाधान के लिए एक सशक्त और सुलभ मंच उपलब्ध हो गया है, जिससे जनसेवा को नई गति मिलने की उम्मीद है।

हनुमान जयंती के उपलक्ष्य में नि:शुल्क मेडिकल कैंप व सुन्दरकांड तथा विरहा का आयोजन

गोरेगांव (पश्चिम)। समाज विकास सेवा संघ एवं साई कृपा मित्र मंडल के संयुक्त तत्वावधान में हनुमान जयंती के पावन अवसर पर एक भव्य धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर आस्था हॉस्पिटल (गोरेगांव वेस्ट) के सहयोग से एक निःशुल्क मेडिकल कैंप आयोजित किया गया। जिसमें आम नागरिकों के लिए विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गयी। मेडिकल कैंप मे स्थानीय नागरिकों के लिए ब्लड प्रेशर जांच, वजन एवं हाइट मापन, बॉडी मास इंडेक्स, मधुमेह टेस्ट, ऑक्सीमीटर से पल्स चेक जैसी अन्य आवश्यक स्वास्थ्य जांच की सुविधा उपलब्ध कराई गयी। इस चिकित्सा शिविर मे डॉ. विनय यादव (एम.एस.), डॉ. प्रतिक यादव (एम.डी), डॉ. सुशांत यादव (एम.डि),डॉ. अरुण यादव (एम. बी. बी. एस), डॉ. नीलेश यादव (बी.ए.एम.एस), डॉ अशोक यादव (बी.एच.एम.एस), डॉ प्रेम सिंह यादव (बी.एच.एम.एस) जैसे समाज के अनुभवी डॉक्टरो से लोगो को स्वास्थ्य संबंधित इलाज व परहेज से अवगत कराया। कैम्प में प्रजापति डायग्नोस्टिक सेन्टर द्वारा टेस्ट किए गए व इफ्कोगो आई हॉस्पिटल द्वारा फ्री आई चेकअप किया गया बता दे कि मेडिकल कैंप की शुरूआत एक्शन मुंबई न्यूज के मुख्य संपादक एस एन यादव वह आयोजक विशाल विश्वकर्मा के पिताजी बलिराम विश्वकर्मा के हाथों किया गया। चिकित्सा शिविर के बाद हनुमान जयंती के उपलक्ष्य में सुंदरकांड पाठ व बिरहा का आयोजन किया गया। लोगो ने श्री हनुमान पूजन व महाप्रसाद का लाभ लिया।इस सेवा शिविर आयोजन का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों को धार्मिक आस्था के साथ-साथ स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों एवं समाजसेवियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम मे आयोजक विशाल विश्वकर्मा, कन्हैयालाल यादव, ऐड. पवन करकेरा, देवी प्रसाद दुबे, मंगेश कनौजिया, विशाल यादव, अनिल विश्वकर्मा, शैलेंद्र यादव, कन्हैयालाल गौड़ सहित सभी आयोजक संस्था के कार्यकर्ता उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ समाज सेवक व समाज विकास सेवा संघ के सलाहकार डॉ.के.एस यादव जी ने आके सभी का मनोबल बढ़ाया। कार्यक्रम के अन्त में कन्हैयालाल यादव ने वहाँ पे आए हुए सभी अतिथिगढ़ों, डॉक्टर्स व वहां के सभी कार्यकताओं का इस कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु आभार प्रकट किया।

पवॉरा अद्धेश्वर महादेव मंदिर पर हनुमान जयंती संपन्न

-विष्णु कांत मिश्रा

पवॉरा, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर जनपद तहसील मछली शहर पोस्ट ग्राम पवारा बाजार स्थित अद्धेश्वर महादेव मंदिर पर श्री हनुमान जन्मोत्सव के पावन पर्व बड़े धूमधाम एवं श्रद्धा भक्ती के साथ मनाया गया। यह आयोजन पंडित दिनेश तिवारी (सेवा निवृत्त पुलिस अधिकारी) के परिवार द्वारा हनुमान जयंती का कार्यक्रम बड़े धूमधाम से मनाया गया।यह आयोजन दिनांक 2 अप्रैल 2026 दिन गुरुवार को रखा गया था।वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत पूजन हवन के साथ संपन्न हुआ।अद्धेश्वर महादेव मंदिर के प्रमुख पुजारी ज्योतिषाचार्य पंडित सुशील मिश्रा ने हनुमानजी का पूजा अर्चना की।उसके बाद महाभंडारा प्रसाद का भी आयोजन किया गया। पुजारी ज्योतिषाचार्य पंडित सुशील मिश्रा ने बताया कि इस मंदिर में सभी मुर्तियां अष्टधातु की है। दर्शन मात्र से लोगों का कल्याण हो जाता है।

महाराष्ट्र के सूचना प्रौद्योगिकी एवं सांस्कृतिक कार्य मंत्री आशीष शेलार ने प्रो. डॉ. दयानंद तिवारी को जन्मदिन पर दी शुभकामनाएँ

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी एवं सांस्कृतिक कार्य मंत्री श्री आशीष शेलार ने शिक्षाविद् एवं साहित्यकार प्रो. डॉ. दयानंद तिवारी को उनके जन्मदिन के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। अपने संदेश में मंत्री श्री शेलार ने कहा कि प्रो. तिवारी द्वारा शिक्षा, साहित्य और समाज के क्षेत्र में किया जा रहा कार्य अत्यंत प्रेरणादायक और उल्लेखनीय है। उन्होंने कहा कि तिवारी जी का समर्पण केवल विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि वे समाज में संस्कार, अनुशासन और नैतिक मूल्यों की स्थापना में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। श्री शेलार ने आगे कहा कि ऐसे विद्वान एवं कर्मठ व्यक्तित्व समाज के लिए प्रेरणा स्रोत होते हैं और उनके प्रयासों से महाराष्ट्र को एक सशक्त शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक दिशा मिल रही है।

उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि प्रो. डॉ. तिवारी को उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और निरंतर सफलता प्राप्त हो, ताकि वे इसी प्रकार समाज और राज्य के विकास में अपना अमूल्य योगदान देते रहें। डॉ. तिवारी के जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएँ।

श्री विजय हनुमान मंदिर पर हनुमान जन्मोत्सव संपन्न

मुंबई। विक्रोली पार्क साइट स्थित गुलाबजी तिवारी चाल के श्री विजय हनुमान मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस आयोजन का संयोजन बाबुलनाथ तिवारी, निलेश तिवारी तथा पुजारी पंडित योगेश तिवारी सहित पूरे परिवार द्वारा किया गया।हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर प्रातः काल से लेकर सायंकाल तक निरंतर मंत्रजप, सुंदरकांड पाठ, हनुमान चालीसा एवं भजन-कीर्तन का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तों ने भाग लेकर भक्ति भाव से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम के समापन पर आयोजित भंडारे में लगभग हजारों की संख्या में श्रद्धालु भक्तों ने महाप्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त प्रधानाध्यापिका सुश्री ललीता गुलाटी का दु:खद निधन

मुंबई। बृहन्मुंबई महानगर पालिका एम.पी.एस. हिंदी शाला, गोवंडी से सेवानिवृत्त हुई राष्ट्रपति पुरस्कार से पुरस्कृत आदर्श प्रधानाध्यापिका एवं पत्रकारिता कोर्स की गोल्ड मेडलिस्ट सुश्री ललिता गुलाटी का शुक्रवार 3 अप्रैल, 2026को 60 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा में शिक्षा, समाजसेवा एवं विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। उनके भाई देवेंद्र गुलाटी, राजू गुलाटी, भतीजे बिट्टू और गौरव के साथ ही पूर्व शिक्षणाधिकारी प्रकाश च-हाटे , पूर्व उप शिक्षणाधिकारी जयश्री यादव, पूर्व प्रशासनिक अधिकारी शिक्षाविद रामहित यादव, राष्ट्रपति पुरस्कार आदर्श मुख्याध्यापिका पुष्पा दुबे , सेवानिवृत्त शिक्षक व एडवोकेट डॉ. विद्यासागर यादव, समाजसेवी शिक्षाविद चंद्रवीर बंशीधर यादव, सेवानिवृत्त शिक्षक भूपेश यादव, नरसिंह सर , नवनाथ जाडकर सर , तथा गोवंडी एम.पी.एस. हिंदी शाला परिवार के सभी शिक्षक, शिक्षा जगत से जुड़े तमाम शिक्षक व समाज सेवक उपस्थित थे। उनका अंतिम संस्कार देवनारपाड़ा श्मशान भूमि (गोवंडी) में किया गया। मुखाग्नि उनके बड़े भाई देवेन्द्र गुलाटी ने दिया।

राजनीतिक कार्यक्रम के तहत पार्टी प्रवेश समारोह आयोजित

वसई। वसई (पश्चिम) में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक कार्यक्रम के तहत पार्टी प्रवेश समारोह आयोजित किया गया, जिसमें कई सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सदस्यता ग्रहण की। इस समारोह का आयोजन वसई विधायक जनसंपर्क कार्यालय में किया गया, जहाँ वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित की उपस्थिति में सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय और वर्तक वेलफेयर फाउंडेशन की संस्थापक श्रीमती अभिलाषा परिमल वर्तक ने अपने साथियों के साथ आधिकारिक रूप से भाजपा जॉइन की। उनके साथ श्रीमती उषा कुंडलिया सहित कई कार्यकर्ता भी पार्टी में शामिल हुए। इस अवसर पर भाजपा के कई स्थानीय पदाधिकारी और नेता मौजूद रहे, जिनमें शहर जिला महासचिव बिजेंद्र कुमार, महिला मोर्चा अध्यक्ष ज्योत्सना मेहेरे, जिला सचिव प्रवीण गावड़े, मंडल अध्यक्ष गीतांजलि दरीवाला, महासचिव संतोष काकड़ सहित अनेक कार्यकर्ता शामिल थे। कार्यक्रम के दौरान नए सदस्यों का स्वागत करते हुए सभी ने वसई के विकास के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि यह पार्टी प्रवेश सामाजिक प्रतिबद्धता को मजबूत करने और आम लोगों के मुद्दों पर प्रभावी ढंग से काम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

नीलकंठेश्वर मंदिर पर हनुमान जन्मोत्सव मनाया गया

मुंबई। विक्रोली पार्कसाईट के वर्षानगर स्थित नीलकंठेश्वर मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया। संदीप त्रिपाठी के नेतृत्व में नीलकंठेश्वर सार्वजनिक व्यवस्थापन समिति द्वारा श्री हनुमान जी की सामूहिक पूजा, हवन एवं आरती का भव्य आयोजन किया गया। इसके उपरांत महिलाओं द्वारा भजन-कीर्तन, संगीतमय सुंदरकांड पाठ तथा स्नेहमिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। साथ ही कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का सम्मानपूर्वक स्वागत एवं सत्कार किया गया। इस आयोजन को सफल बनाने में कृष्ण कुमार त्रिपाठी (पुजारी), राजेश्वर चौहान, आर. टी. उपाध्याय, नीरज उपाध्याय, दीपू तिवारी, अजय सोती, जयेंद्र जाधव, विजय सिंह, शिवगोविंद यादव, नीलम पांडे, नम्रता मोंडे, मनीषा दळवी एवं दीपक गुप्ता सहित स्थानीय रहिवासी श्रद्धालुओं का विशेष सहयोग रहा।

तारापुर में भाजपा प्रशिक्षण महाभियान 2026: डॉ. हेमंत सावरा ने कार्यकर्ताओं को किया मार्गदर्शन

पालघर। पालघर जिले के तारापुर स्थित अर्श्या गार्डन (माली स्टैंड) में भारतीय जनता पार्टी के बोइसर मंडल द्वारा आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ट्रेनिंग महाभियान 2026 के अंतर्गत मंडल स्तरीय प्रशिक्षण वर्ग संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में पालघर लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. हेमंत सावरा मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. सावरा का सम्मान किया गया और उन्होंने कार्यकताओं को संगठनात्मक मजबूती, प्रभावी संवाद कौशल तथा पार्टी की विचारधारा को जमीनी स्तर तक पहुंचाने के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि एक सशक्त संगठन के निर्माण के लिए अनुशासन, समर्पण और निरंतर संवाद बेहद जरूरी है।

इस अवसर पर कार्यकताओं में उत्साह, लगन और सकारात्मक ऊर्जा देखने को मिली। कार्यक्रम में यह विश्वास व्यक्त किया गया कि आने वाले समय में संगठन और अधिक सक्षम व प्रभावशाली बनेगा। अंत में सभी कार्यकताओं से जनता की सेवा और देशहित में मिलकर कार्य करने का आह्वान किया गया।

केरल चुनाव: भाजपा उम्मीदवार बी. बी. गोपकुमार के समर्थन में उतरे विधायक राजन नाईक

वसई। केरल राज्य के चित्तनूर विधानसभा क्षेत्र में चुनावी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। भाजपा के आधिकारिक उम्मीदवार बी. बी. गोपकुमार के समर्थन में नालासोपारा के विधायक राजन नाईक ने सक्रिय रूप से प्रचार अभियान में हिस्सा लिया। इस दौरान राजन नाईक ने घर-घर जाकर मतदाताओं से मुलाकात की और सभी नागरिकों से मतदान करने की अपील की। प्रचार के दौरान लोगों से मिले अप्रत्याशित समर्थन, स्नेह और आशीर्वाद ने उम्मीदवार के आत्मविश्वास को और मजबूत कर दिया। इस अभियान में नालासोपारा के पूर्व जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटील, विनीत तिवारी और महामंत्री मनोज बारोट भी शामिल रहे और उन्होंने भी प्रचार कार्य में सक्रिय भूमिका निभाई।

सघन चेकिंग अभियान में 1019 वाहनों का चालान

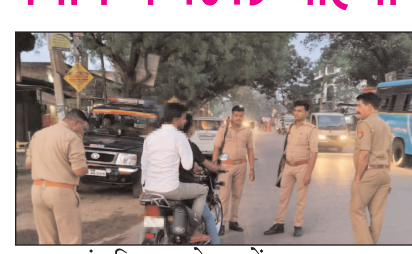

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने और यातायात नियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शुक्रवार को व्यापक चेकिंग अभियान चलाया गया। यह अभियान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देशन में यातायात पुलिस एवं सभी थाना प्रभारियों की संयुक्त टीमों द्वारा संचालित किया गया।

अभियान के तहत जिले के प्रमुख चौराहों, सार्वजनिक स्थलों और संवेदनशील मार्गों पर सघन जांच की गई। इस दौरान संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की गहन तलाशी ली गई, जिससे सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जा सके और अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सके। चेकिंग के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई। बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, तीन सवारी बैठाकर वाहन चलाने वाले तथा बिना वैध दस्तावेज के वाहन संचालित करने वालों पर विशेष नजर रखी गई। पूरे अभियान में कुल 1019 वाहनों का चालान किया गया।

जौनपुर पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें और सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें।

योगी के आगमन से एक घंटे पहले बड़े वाहनों के संचालन पर पूर्ण रोक! पुलिस ने जारी की एडवाइजरी

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में सीएम योगी के आगमन को लेकर शुक्रवार को ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की गई है। सीएम का काफिला बाबतपुर एयरपोर्ट से सर्किट हाउस और बीएलडब्ल्यू गेस्ट हाउस तक जाएगा। आगमन के दौरान बाबतपुर मार्ग पर कई प्रमुख मार्गों पर अस्थायी डायवर्जन लागू रहेगा। एक घंटे पहले बाबतपुर पुलिस चौकी चौराहे से शहर की ओर बड़े वाहनों का प्रवेश बंद रहेगा। वहीं, कार्यक्रम के दौरान बीएलडब्ल्यू के अंदर वाहनों के प्रवेश पर रोक रहेगी। एडीसीपी ट्रैफिक अंशुमान मिश्रा ने बताया कि वाहनों को वैकल्पिक मार्गों पर डायवर्ट किया जाएगा। खासकर, बीएलडब्ल्यू परिसर में प्रस्तावित कार्यक्रम के दौरान भिखारीपुर तिराहे की ओर जाने वाले वाहनों को कार्यक्रम के दौरान नहीं जाने दिया जाएगा। इन वाहनों को करौंदी-चितईपुर चौराहे की ओर डायवर्ट कर दिया जाएगा। बरेका सिनेमा हॉल तिराहे से किसी भी प्रकार के वाहन को वीवीआईपी रूट पर नहीं जाने दिया जाएगा। कुंदन तिराहे और सेंट्रल मार्केट तिराहे से भी वाहनों का प्रवेश मुख्य गेट बीएलडब्ल्यू और गेस्ट हाउस रोड की ओर प्रतिबंधित रहेगा। तिराहे और बैरियर से गेस्ट हाउस की ओर जाने वाले वाहनों को सूर्य सरोवर तिराहे की तरफ डायवर्ट किया जाएगा।

बलरामपुर महोत्सव कलाकारों ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से लोगों का मन मोहा

बलरामपुर। छात्राओं एवं स्थानीय कलाकारों द्वारा प्रस्तुत नृत्य, गीत एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और पूरे वातावरण को उत्साह एवं उल्लास से भर दिया। महोत्सव के अंतर्गत आयोजित रंगोली प्रतियोगिता में भी छात्र-छात्राओं ने अपनी रचनात्मकता और कला कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। रंग-बिरंगी आकर्षक आकृतियों के माध्यम से प्रतिभागियों ने अपनी कल्पनाशीलता का परिचय दिया, जिसकी उपस्थित जनों द्वारा खूब सराहना की गई। इस अवसर पर जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन, सीडीओ हिमांशु गुप्ता द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया तथा उनका उत्साहवर्धन करते हुए कहा गया कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों की प्रतिभा को मंच प्रदान करने के साथ-साथ उनके सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

चकिया पुलिस का त्वरित एक्शन, 12 घंटे में लूट का खुलासा

चंदौली (उत्तरशक्ति)। जनपद के चकिया क्षेत्र में हुई लूट की घटना का पुलिस ने महज 12 घंटे के भीतर सफल खुलासा कर दिया। इस कार्रवाई से क्षेत्र में पुलिस की तत्परता की सराहना की जा रही है। थानाध्यक्ष अर्जुन सिंह के नेतृत्व में चकिया कोतवाली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना में शामिल एक अभियुक्त समेत तीन बाल अपचारियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने लूट की गई कुल 28,720 रुपये की रकम में से 25,000 रुपये बरामद कर लिए हैं। शेष राशि की बरामदगी के प्रयास जारी हैं। पुलिस की इस कार्रवाई को अपराधियों के खिलाफ सख्ती और जनता की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता के रूप में देखा जा रहा है। क्षेत्रीय लोगों ने चकिया पुलिस के इस कार्य की सराहना की है।